सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

वार्षिक रिपोर्ट 2017-18

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

एसटीपीआई
STPI

वार्षिक रिपोर्ट
2017-18

एसटीपीआई STPI

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

विषय-सूची

◆ शासी परिषद	3
◆ सामान्य निकाय	4
◆ एसटीपीआई की प्रबंधन संरचना	5
◆ भारतीय आईटी परिदृश्य	6
◆ एसटीपीआई – एक अवलोकन	8
◆ एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन	9
◆ एसटीपीआई में पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा निर्यात	10
◆ सांविधिक और अन्य सहायक सेवाएं	12
◆ डेटा संचार सेवाएं	13
◆ परियोजना प्रबंधन एवं परामर्श (पीएमसी) सेवाएं	14
◆ बीपीओ संवर्धन योजनाएं– आईटी नौकरियों का सृजन	19
◆ संवर्धनात्मक कार्यकलाप	20
◆ एमटीएनएल–एसटीपीआई संयुक्त उद्यम	24
◆ एसटीपीआई का वित्तीय विश्लेषण	25
◆ लेखा विवरण	26
◆ स्वतंत्र लेखा परीक्षक रिपोर्ट	28
◆ लेखा परीक्षक	31
◆ अनुसूची–22	46
◆ अनुसूची–22 क	51
◆ सूचना का अधिकार	59
◆ एसटीपीआई केन्द्र	60

शासी परिषद*

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	कार्यकारी उपाध्यक्ष
श्री रविशंकर प्रसाद माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा विधि और न्याय मंत्री, भारत सरकार	**श्री एस. एस. अहलुवालिया** माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, भारत सरकार	**श्री अजय प्रकाश साहनी** सचिव इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

सदस्य

श्रीमती किरण सोनी गुप्ता
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री राजीव कुमार
संयुक्त सचिव (संस्था) तथा एसटीपीआई के समूह समन्वयक
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

श्री नितिन जैन
उप महानिदेशक (डीएस)
दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय, भारत सरकार

श्री अनुज शर्मा
संयुक्त सचिव (सीआईएस)
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री जनार्दन सिंह
संयुक्त निदेशक
आसूचना ब्यूरो, गृह मंत्रालय, भारत सरकार

श्री संदीप एम. भटनागर
महानिदेशक
प्रणाली एवं डेटा प्रबंधन, केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड,
राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

श्री आलोक वर्धन चतुर्वेदी
महानिदेशक
विदेश व्यापार,
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

श्री नलिन कोहली
अध्यक्ष (विज़न समिति)
इलेक्ट्रॉनिकी एवं कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर निर्यात संवर्धन परिषद,
(ईएससी)

श्री एन. चन्द्रशेखरन
अध्यक्ष
मै. टाटा कसंलटेंसी सर्विसेज लिमिटेड

श्री जसविंदर एस. आहूजा
कॉर्पोरेट उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक
मै. कैडेंस डिजाइन सिस्टम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

श्री अरूण जैन
अध्यक्ष
मै. इन्टेलेक्ट डिजाइन एरेना लिमिटेड

श्रीमती देबजानी घोष
अध्यक्ष
नैसकॉम

श्री राजेश राम मिश्रा
अध्यक्ष
इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकन्डक्टर एसोसिएशन

श्री देवेश त्यागी
वरिष्ठ निदेशक
एसटीपीआई

सदस्य सचिव

डॉ. ओंकार राय
महानिदेशक
एसटीपीआई

*मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार

सामान्य निकाय*

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	कार्यकारी उपाध्यक्ष
श्री रविशंकर प्रसाद माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा विधि और न्याय मंत्री, भारत सरकार	**श्री एस. एस. अहलुवालिया** माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, भारत सरकार	**श्री अजय प्रकाश साहनी** सचिव इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

सदस्य

श्रीमती किरण सोनी गुप्ता
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री राजीव कुमार
संयुक्त सचिव (संस्था) तथा
एसटीपीआई के समूह समन्वयक
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री नितिन जैन
उप महानिदेशक (डीएस)
दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री अनुज शर्मा
संयुक्त सचिव (सीआईएस)
गृह मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री जनार्दन सिंह
संयुक्त निदेशक
आसूचना ब्यूरो, गृह मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री संदीप एम. भटनागर
महानिदेशक
प्रणाली एवं डेटा प्रबंधन, केन्द्रीय अप्रत्यक्ष
कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड,
राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री आलोक वर्धन चतुर्वेदी
महानिदेशक
विदेश व्यापार,
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय,
भारत सरकार

श्री देवेश त्यागी
वरिष्ठ निदेशक
एसटीपीआई

सदस्य सचिव

डॉ. ओंकार राय
महानिदेशक
एसटीपीआई

*मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार

एसटीपीआई की प्रबंधन संरचना

शासी परिषद

शासी परिषद सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) का शीर्ष प्रबंधन निकाय है, जो एसटीपीआई की समग्र कार्यप्रणाली का निर्देशन एवं देखरेख करती है तथा नीतिगत निर्देश प्रदान करती है। माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार, शासी परिषद के **'अध्यक्ष'** हैं। माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, भारत सरकार, शासी परिषद के **'उपाध्यक्ष'** हैं। सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, शासी परिषद के **'कार्यकारी उपाध्यक्ष'** हैं। वाणिज्य मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय, दूरसंचार विभाग, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग एवं उद्योग संघों के प्रतिनिधि शासी परिषद के सदस्य हैं।

महानिदेशक

महानिदेशक, एसटीपीआई, शासी परिषद के सदस्य–सचिव हैं तथा शासी परिषद के मार्गदर्शन के अंतर्गत एसटीपीआई के प्रबंधन तथा प्रचालन के लिए उत्तरदायी हैं। संस्था के कुशल संचालन के लिए महानिदेशक को आवश्यक कार्यकारी वित्तीय शक्तियां तथा प्राधिकार प्रत्यायोजित किए गए हैं।

निदेशकों की कार्यकारी समिति (ई-कॉड)

एसटीपीआई के संस्थापन प्रलेख के अनुसार, निदेशकों की कार्यकारी समिति (ई–कॉड), संस्था का एक अंग है तथा शासी परिषद एवं प्रशासनिक मंत्रालय की ओर से प्रशासनिक, वित्तीय, परिचालन और इस तरह के अन्य नीतिगत मामलों की समीक्षा एवं मंजूरी प्रदान करने जैसे कार्य करती है। ई–कॉड की अध्यक्षता सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा कार्यकारी उपाध्यक्ष, शासी परिषद, एसटीपीआई द्वारा की जाती है।

स्थायी कार्यकारी बोर्ड (एसईबी)

ऐसे प्रत्येक राज्य में जहाँ एसटीपीआई का केन्द्र है, वहां नीतिगत और परिचालन संबंधी मामलों में उद्योग और सरकार के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने के लिए एक स्थायी कार्यकारी बोर्ड (एसईबी) का गठन किया गया है। स्थायी कार्यकारी बोर्ड, एसटीपीआई केन्द्रों/उपकेन्द्रों की भावी विस्तार योजनाएं तैयार करने, सुविधाओं का दर्जा बढ़ाने, प्रत्येक एसटीपीआई केंद्र की वार्षिक योजना एवं बजट तैयार करने और महानिदेशक को परामर्श देने का कार्य भी करता है।

वरिष्ठ निदेशक

वरिष्ठ निदेशक, एसटीपीआई मुख्यालय के प्रमुख हैं। वरिष्ठ निदेशक, एसटीपी/ईएचटीपी योजनाओं के प्रशासन के लिए क्षेत्राधिकार निदेशक के रूप में कार्य करते हैं।

निदेशक

निदेशक, एसटीपीआई केन्द्र के तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रमुख हैं। निदेशक, एसटीपी/ईएचटीपी योजनाओं के प्रशासन के लिए क्षेत्राधिकार निदेशक के रूप में कार्य करते हैं।

भारतीय आईटी परिदृश्य

उद्यमो और कर्मचारियों द्वारा प्रौद्योगिकी परिवर्तन के बड़े पैमाने पर अनुकूलन द्वारा, वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ब्लॉकचेन, क्लाउड और बिग डाटा सहित इंडस्ट्री 4.0 प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाने के लिए पुनः कुशलता और कुशलता के उन्नयन में तीव्र वृद्धि हुई है। भारतीय आईटी उद्योग ने अभिनव उत्पाद विकास पर अधिक ध्यान केन्द्रित करके और डिसरपटिव प्रौद्योगिकी में व्यापक निवेश करके सत्त विकास को बनाए रखने की एक स्पष्ट मिसाल पेश की है।

भारतीय आईटी–बीपीएम उद्योग ने वित्त वर्ष 2016–17 में 154 बिलियन डॉलर के राजस्व की तुलना में, वित्त वर्ष 2017–18 में 167 बिलियन डॉलर राजस्व के साथ 8.4% की वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 2017–18 में निर्यात, वित्त वर्ष 2016–17 के 117 बिलियन डॉलर निर्यात से बढ़ कर, 126 बिलियन डॉलर हो गया है, जबकि इसी अवधि में घरेलू राजस्व 38 बिलियन डॉलर से बढ़ कर 41 बिलियन डॉलर हो गया है। यदि राजस्व के श्रोतों को अलग–अलग करके देखें तो 86 बिलियन डॉलर के राजस्व के साथ आईटी सेवा क्षेत्र का अंशदान सबसे अधिक 52% है, 33 बिलियन डॉलर के राजस्व के साथ ईआर एंड डी तथा सॉफ्टवेयर उत्पाद का 20% अंशदान है, जो कि दूसरे स्थान पर है। 32 बिलियन डॉलर के राजस्व के साथ बीपीएम क्षेत्र का 19% अंशदान है जोकि तीसरे स्थान पर है और 15 बिलियन डॉलर के राजस्व के साथ हार्डवेयर का अंशदान मात्र 9% है। इसके अतिरिक्त, भारतीय ई–कॉमर्स इंडस्ट्री ने 16.6% की दर से तीव्र वृद्धि कर, वित्त वर्ष 2016–17 में 33 बिलियन डॉलर की तुलना में, वित्त वर्ष 2017–18 में 38.5 बिलियन डॉलर राजस्व अर्जित किया है।

ऑटोमेशन, कनेक्टिविटी और शेयर्ड मोबिलिटी की बढ़ती मांग के कारण ईआर एंड डी वित्त वर्ष 2017–18 में लगभग 12% के साथ सबसे तीव्र वृद्धि वाला क्षेत्र बना रहा। ईआर एंड डी का कुल राजस्व वित्त वर्ष 2016–17 के 24 बिलियन डॉलर से बढ़ कर, वित्त वर्ष 2017–18 में 26.9 बिलियन डॉलर हो गया और इसके वर्ष 2025 तक बढ़ कर 70 बिलियन डॉलर हो जाने की संभावना है। वित्त वर्ष 2017–18 में इस क्षेत्र में निर्यात 25 बिलियन डॉलर रहा जबकि ईआर एंड डी में कुल वैश्विक आपूर्ति (ग्लोबल सोर्सिंग) 88 बिलियन डॉलर है। ईआर एंड डी क्षेत्र में 5,44,000 अत्यधिक कुशल पेशेवर काम कर रहे हैं और इसने वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान 5% की वृद्धि दर्ज की है। इंडस्ट्री 4.0 प्रौद्योगिकी के आगमन से ईआर एंड डी क्षेत्र में भारत का भविष्य काफी उज्ज्वल है। यद्यपि घरेलू राजस्व अनुपातिक रूप से काफी कम प्रतीत होता है, स्मार्ट मोबिलिटी, टेलीकम्यूनिकेशन, स्मार्ट सिटीज और ऑटोमेशन जैसे क्षेत्रो में डिसरपटिव प्रौद्योगिकी पर भारत के जोर के कारण इस क्षेत्र में विकास बढ़ेगा।

रोजगार के क्षेत्र में, सबसे बड़े गैर–सरकारी नियोक्ता के रूप में, भारतीय आईटी उद्योग ने सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। कुल प्रत्यक्ष कर्मचारियों की संख्या वित्त वर्ष 2016–17 के 3.86 मिलियन से बढ़ कर 1,05,000 की वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2017–18 में 3.97 मिलियन हो गई है। वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में आईटी उद्योग का अंशदान लगभग 7.9% रहा है, जो कुल सेवा निर्यात का 45% और वैश्विक निर्यात का 55% है। भारतीय आईटी उद्योग के सत्त विकास में डिजिटल सोल्युशंस पोर्टफोलियो का विस्तार, सेवा प्रक्रिया का स्वचालन और अधिक जटिल कार्यो को करने के लिए कर्मचारियों को पुनः कुशल बनाना, आईपी आधारित कार्य, वर्टिकलाइज्ड क्रय निर्णय और गो–टु–मार्केट स्ट्रेटजी जैसे कारकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भारत आईटी सॉफ्टवेयर समाधान और सेवा में अच्छा कार्य करता आ रहा है और डिसरपटिव प्रौद्योगिकी के आगमन से वैश्विक सॉफ्टवेयर निर्यात में भारी बदलाव आएगा। पूरे विश्व में बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने इंडस्ट्री 4.0 प्रौद्योगिकी को अपनाना शुरू कर दिया है और इससे आईटी उद्योग के भावी कारोबार को बढ़ावा मिलेगा। कारोबार परिचालन में ऑटोमेशन, एआई, बिग डाटा, आईओटी, ब्लॉकचेन और क्लाउड महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वैश्विक अवसरों का लाभ उठाने और सत्त विकास के लिए भारत को नवोन्मेष और सॉफ्टवेयर उत्पाद के विकास पर ध्यान देना होगा। भारतीय आईटी उद्योग ने हाल ही में स्वयं को सॉफ्टवेयर

उत्पाद विकास धारा के अनुरूप ढालना शुरू कर दिया है। वित्त वर्ष 2017–18 में, वैश्विक सॉफ्टवेयर उत्पाद राजस्व 7.7% की वृद्धि के साथ, 413 बिलियन डॉलर से बढ़ कर 445 बिलियन डॉलर हो गया है, जबकि भारत ने राजस्व में 8.4% की वृद्धि हासिल की है, जोकि 7.1 बिलियन डॉलर से बढ़ कर 7.7 बिलियन डॉलर हो गया है। सॉफ्टवेयर उत्पादों के घरेलू बाजार में 9.4% की वृद्धि हुई है, जोकि वित्त वर्ष 2016–17 में 4.8 बिलियन से बढ़ कर, वित्त वर्ष 2017–18 में 5.2 बिलियन हो गया है और निर्यात में 7.4% की वृद्धि दर्ज की गई है, जोकि 2.5 बिलियन डॉलर है।

भारत में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तेजी से परिपक्व हो रही है। हालांकि बी2सी स्टार्टअप का अधिक निधियन और उच्च मूल्यांकन हो रहा है, जबकि बी2बी स्टार्टअप के बंद होने की दर कम है और वे रणनीतिक रूप से नई तकनीक जैसेकि एआई, आईओटी, ब्लॉकचेन और बिग डेटा पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं। 5000–5200 स्टार्टअप में से 1000 नए स्टार्टअप्स वित्त वर्ष 2017–18 में स्थापित हुए हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारत में कुल स्टार्टअप बेस में 59% हिस्सेदारी फिनटेक और हेल्थटेक की है। भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है तथा 3.2 बिलियन डॉलर के औसत मूल्यांकन के साथ भारत में 10 यूनिकॉर्न और 190 इन्क्यूबेटर/एक्सेलेरेटर हैं। भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी की एक दिलचस्प विशेषता यह है कि लगभग 80% स्टार्टअप टीयर–I शहरों में और शेष 20% टीयर–II और टीयर–III शहरों में स्थित हैं। टीयर–I शहरों में दिल्ली, एनसीआर, बेंगलूरु और मुंबई में 68% स्टार्टअप बेस हैं। सरकार की पहल और संभावित लागत आर्बिट्रेज से छोटे शहरों में भी स्टार्टअप खुलने शुरू हो गए हैं।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। डिजिटल संरचना विकास, नीतिगत कदम और इंडस्ट्री 4.0 प्रौद्योगिकी को अपनाने संबंधी सरकार की पहल आदि कुछ महत्वपूर्ण कारक हैं, जोकि डिजिटल अर्थव्यवस्था को वर्ष 2025 तक 1 ट्रिलियन डॉलर तक ले जा सकते है। वर्ष 2030 तक, भारत की अर्थव्यवस्था 10 ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी और इसमें से आधे का योगदान डिजिटल अर्थव्यवस्था का होगा। वित्त वर्ष 2016–17 में, डिजिटल लेन–देन का मूल्य सकल घरेलू उत्पाद का 5% था, जो वित्त वर्ष 2017–18 की पहली तिमाही में बढ़ कर 6% हो गया है। संभावना है कि वित्त वर्ष 2026–27 तक, डिजिटल भुगतान सकल घरेलू उत्पाद के 20% तक पहुँच जाएंगे। भारत की इंटरनेट अर्थव्यवस्था उच्च विकास पथ पर है। इंटरनेट अर्थव्यवस्था का बाजार वर्ष 2020 तक, 100–130 बिलियन डॉलर से बढकर, 215–265 बिलियन डॉलर तक पहुँच जाने की संभावना है।

अमेरिका भारत के आईटी–बीपीएम निर्यात विकास में 62% के साथ अपनी सबसे बड़ी बाजार हिस्सेदारी को बनाए हुए है, इसके बाद ब्रिटेन 17%, यूरोप 11%, एशिया–पैसिफिक 8% पर और दुनिया के बाकी हिस्सों की भागीदारिता 2% रही है। बीएफएसआई 41%, उच्च तकनीकी/दूरसंचार 18%, विनिर्माण 16% और खुदरा 10% के साथ शीर्ष चार कार्य क्षेत्र हैं, जिनका कुल निर्यात में 85% योगदान रहा है।

एसटीपीआई पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा किया गया निर्यात 7.2% की वृद्धि की दर के साथ, वित्त वर्ष 2016–17 में 3,50,679 करोड़ रुपये की तुलना में, वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान बढ़कर 3,75,988 करोड़ रुपये हो गया। इसके अतिरिक्त वित्त वर्ष 2017–18 में 106 नई एसटीपी इकाइयां पंजीकृत हुई। ईएचटीपी इकाइयों के घरेलू बाजार की ओर बढ़ते झुकाव के कारण इनके निर्यात में 9.7% गिरावट आयी, जोकि वित्त वर्ष 2016–17 के 8,554 करोड़ रुपये से गिर कर, वित्त वर्ष 2017–18 में 7,723 करोड़ रुपये हो गया।

प्रगति की ओर अग्रसर भारत नवाचार, डिसरपटिव प्रौद्योगिकी के साथ अनुसंधान और विकास, उत्पाद विकास और प्रौद्योगिकी स्टार्टअप का वैश्विक केंद्र होगा। बढ़ती हुई डिजिटल जनसंख्या, तीव्र डिजिटलीकरण, व्यापक डिजिटल संरचना भारत को न सिर्फ एक प्रमुख डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने में सहायक होगी, बल्कि उद्यमों को ग्लोबल टेक्नोलॉजी स्पेस में उनकी भूमिका निभाने के लिए भी सक्षम बनायेगी।

एसटीपीआई – एक अवलोकन

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया की स्थापना और पंजीकरण, संस्था पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अधीन एक स्वायत्त संस्था के रूप में तत्कालीन इलेक्ट्रॉनिकी विभाग (अब इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय), भारत सरकार के अंतर्गत 5 जून, 1991 को किया गया था। जिसका उद्देश्य सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (एसटीपी) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (ईएचटीपी) योजनाओं के कार्यान्वयन, मूल संरचनात्मक सुविधाओं की स्थापना करने तथा उनका प्रबंधन करने तथा प्रौद्योगिकी मूल्यांकन एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी अन्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

संस्था के उद्देश्य

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के उद्देश्य हैं:

(क) सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएं/जैव–आईटी सहित सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर सेवाओं के विकास और निर्यात को बढ़ावा देना।

(ख) एसटीपी/ईएचटीपी तथा ऐसी अन्य योजनाओं, जो कि सरकार द्वारा समय–समय पर तैयार करके सौंपी जाती हैं, को कार्यान्वित करके निर्यातकों को सांविधिक तथा अन्य संवर्धनात्मक सेवाएं उपलब्ध कराना।

(ग) सूचना प्रौद्योगिकी/ सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवा उद्योगों को मूल्य संवर्धित सेवाओं सहित डेटा संचार सेवाएं उपलब्ध कराना।

(घ) आईटी/आईटीईएस के क्षेत्र में उद्यमशीलता के लिये अनुकूल वातावरण सृजित करके सूक्ष्म, लघु व मझौले उद्यमियों को बढ़ावा देना।

एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन

संस्था के उद्देश्यों को प्राप्त करने की दृष्टि से वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान हासिल की गई मुख्य उपलब्धियों तथा सम्पन्न कार्यों का विवरण नीचे दिया गया है:

सांविधिक सेवाओं का प्रावधान

एसटीपीआई शुरूआत से ही निम्नलिखित योजनाओं के अंतर्गत पूरे देश में फैले विभिन्न एसटीपीआई केन्द्रों से एकल खिड़की सांविधिक सेवाएं प्रदान कर रहा है:

(क) सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (एसटीपी) योजना

(ख) इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर टेक्नोलॉजी पार्क (ईएचटीपी) योजना

एसटीपीआई की पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन

वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान एसटीपी योजना में 106 नयी इकाइयां और सॉफ्टेक्स अनुप्रमाणन सेवाएं प्राप्त करने वाली 509 इकाइयां पंजीकृत की गयी। इस प्रकार, वित्त वर्ष 2017–18 में कुल 615 इकाइयां पंजीकृत की गई। पिछले 3 वर्षों के दौरान, एसटीपीआई के साथ पंजीकृत इकाइयों की कुल संख्या का ग्राफ नीचे दर्शाया गया है:

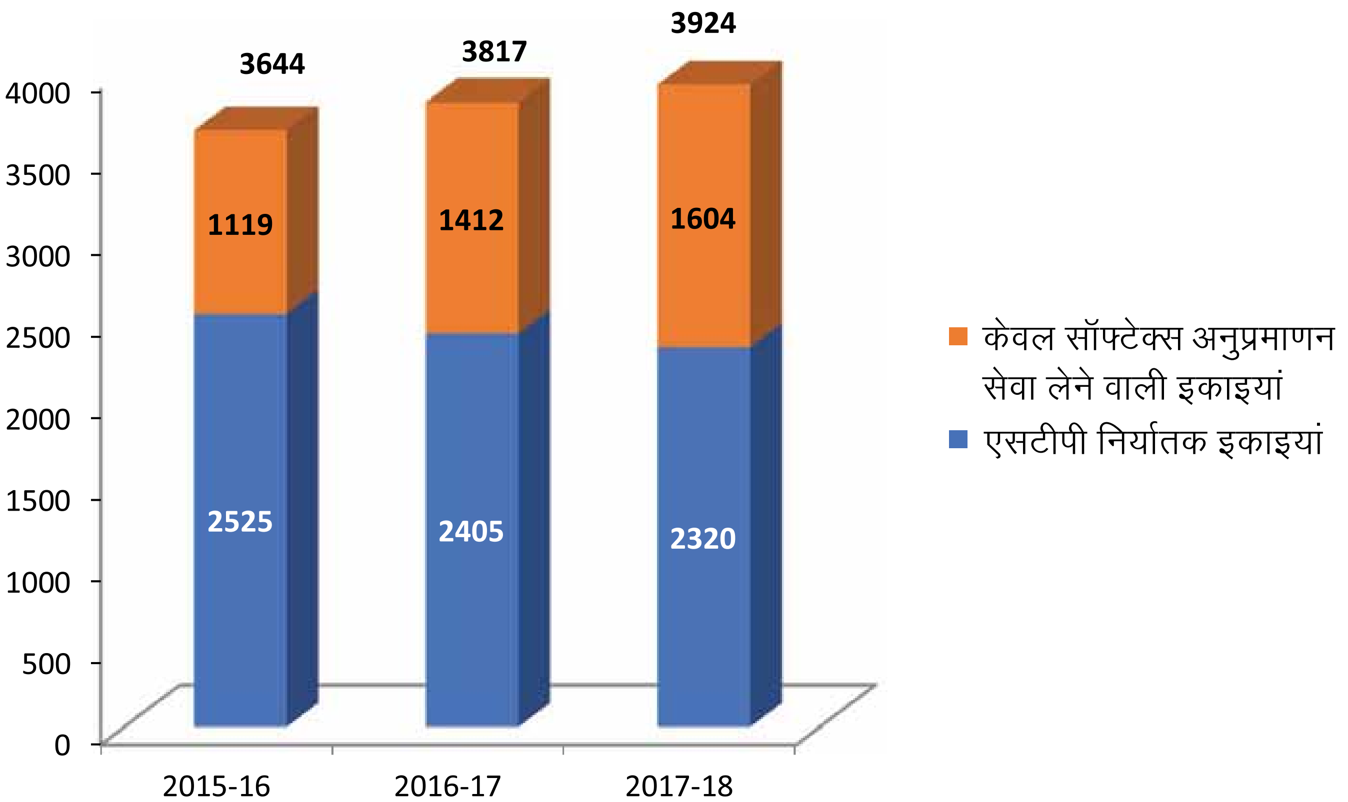

एसटीपीआई में पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा निर्यात

एसटीपीआई पंजीकृत आईटी/आईटीईएस इकाइयों द्वारा किया गया निर्यात, वर्ष 2016–17 के ₹ 3,50,679 करोड़ की तुलना में, वर्ष 2017–18 में बढ़ कर ₹ 3,75,988 करोड़ हो गया और यह वृद्धि 7.2 प्रतिशत है। वर्ष 2017–18 के दौरान किए गए निर्यात का विवरण निम्नानुसार है:

(क) एसटीपी योजना (एफटीडीआर अधिनियम, 1992) के अंतर्गत सेवाएं प्राप्त करने वाली इकाइयों ने ₹ 3,42,129.49 करोड़ का निर्यात किया।

(ख) केवल सॉफ्टेक्स अनुप्रमाणन सेवाएं प्राप्त करने वाली इकाइयों ने ₹ 33,858.22 करोड़ का निर्यात किया।

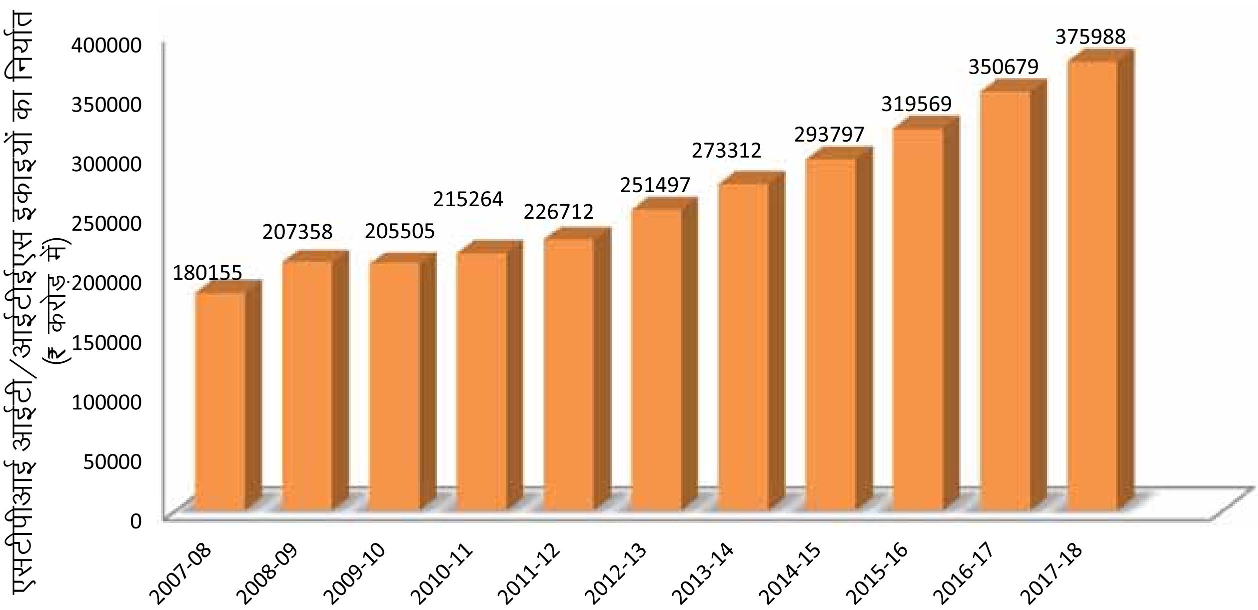

पंजीकृत इकाइयों द्वारा एसटीपीआई के माध्यम से सॉफ्टवेयर निर्यात का राज्यवार ब्यौरा नीचे दी गई तालिका के अनुसार है:

(₹ करोड़ में)

क्रं.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश का नाम	वित्त वर्ष 2017–18
1	आंध्र प्रदेश	702.29
2	असम	21.09
3	बिहार	0.03
4	चंडीगढ़	668.27
5	छत्तीसगढ़	36.75
6	दिल्ली	1662.82
7	गोवा	82.79
8	गुजरात	2681.14
9	हरियाणा	22182.85

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश का नाम	वित्त वर्ष 2017–18
10	हिमाचल प्रदेश	7.58
11	जम्मू और कश्मीर	3.92
12	झारखंड	6.64
13	कर्नाटक	152280.16
14	केरल	3296.56
15	मध्य प्रदेश	613.82
16	महाराष्ट्र	74580.15
17	मेघालय	8.62
18	ओडिशा	2503.88
19	पुदुच्चेरी	253.01
20	पंजाब	420.54
21	राजस्थान	989.22
22	सिक्किम	19.20
23	तमिलनाडु	36848.70
24	तेलंगाना	50795.82
25	उत्तर प्रदेश	18508.46
26	उत्तराखंड	130.42
27	पश्चिम बंगाल	6683.00
	कुल	**375987.73**

ईएचटीपी इकाइयों द्वारा किया गया निर्यात

ईएचटीपी इकाइयों द्वारा किया गया निर्यात वर्ष 2016–17 के ₹ 8,554 करोड़ की तुलना में, वर्ष 2017–18 में घट कर ₹ 7,723 करोड़ हो गया है और यह कमी 9.7 प्रतिशत है।

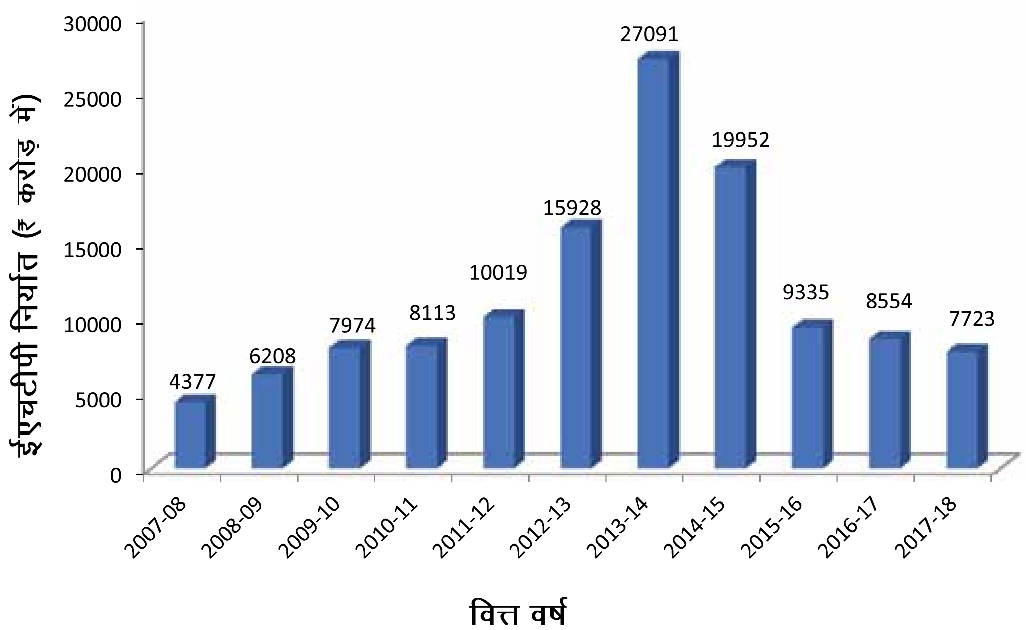

सांविधिक और अन्य सहायता सेवाएं

सांविधिक और अन्य सहायता सेवाओं के प्रावधान के लिए केन्द्रों/सुविधाओं की स्थापना और विस्तार

आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम उद्योग संवर्धन और विकास के अपने मुख्य उद्देश्य को प्राप्त करने के प्रयास में, नए एसटीपीआई केन्द्रों की स्थापना की दिशा में और अधिक जोर दिया गया और मौजूदा केन्द्रों में सुविधाओं का विस्तार और सुधार किया गया। नए केंद्रों और सुविधाओं का उद्देश्य उद्योग को सांविधिक और इन्क्यूबेशन सेवाएं प्रदान करना है, ताकि सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर सेवाओं के यथा संभव उच्चतम निर्यात के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। इस समय पूरे देश में एसटीपीआई के कुल 57 केंद्र काम कर रहे हैं, जिनमें से 49 केंद्र टियर–II और टियर–III शहरों में हैं।

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान एसटीपीआई के निम्नलिखित केन्द्रों पर बुनियादी सुविधाओं का परिचालन शुरू हो गया है :

1. हैदराबाद में, सोलिटेयर बिल्डिंग के प्रथम तल में 26,127 वर्गफीट की अतिरिक्त इन्क्यूबेशन सुविधा।
2. ओडिशा के ब्रह्मपुर में 10,000 वर्गफीट की अतिरिक्त इन्क्यूबेशन सुविधा।
3. अगरतला के लिचुबगान में 8,071 वर्ग फीट की अतिरिक्त इन्क्यूबेशन सुविधा।
4. गांधीनगर के गिफ्ट सिटी में 23,612 वर्ग फीट की अतिरिक्त इन्क्यूबेशन सुविधा।

निम्न नये केन्द्रों में बुनियादी ढांचे की स्थापना कार्यान्वयन के विभिन्न चरणो में है:

1. आगरा
2. अमृतसर
3. भोपाल
4. गोरखपुर
5. मेरठ
6. गोवा
7. कोचि
8. बालासोर
9. कोहिमा
10. इटानगर
11. धनबाद
12. देवघर
13. जमशेदपुर
14. बोकारो

डेटा संचार सेवाएं

डेटा संचार सेवाओं का प्रावधान

एसटीपीआई का सॉफ्टवेयर निर्यात क्षेत्र में एक उल्लेखनीय योगदान उच्च गति की डेटा संचार (एचएसडीसी) सेवाएं उपलब्ध कराना है। एसटीपीआई द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया, अत्याधुनिक एचएसडीसी नेटवर्क, सॉफ्टनेट, सॉफ्टवेयर निर्यातकों को प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य पर उपलब्ध है।

एसटीपीआई केन्द्रों में अंतर्राष्ट्रीय गेट्वे तक स्थानीय लूप के लिए स्थानीय अभिगम, प्वाईंट–टू–प्वाईंट और प्वाईंट–टू–मल्टीप्वाइंट माईक्रोवेव रेडियो के जरिए उपलब्ध कराया जाता है, जिसने लास्ट माईल समस्या को दूर किया है तथा एसटीपीआई लगभग 99.9 प्रतिशत का उच्च अपटाईम कायम रखने में सक्षम हुआ है। जहाँ कहीं भी संभव है, वहाँ स्थलीय केबल (तंतु/कॉपर) भी इस्तेमाल किये जाते हैं। ये संचार सुविधाएं अपतटीय सॉफ्टवेयर कार्यकलापों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं और कई आईटी/आईटीईएस उद्यमों की सफलता के लिए आधार के रूप में कार्य करती हैं।

एसटीपीआई अपने नेटवर्क के जरिये निम्नलिखित एचएसडीसी सेवाएं प्रदान करता है:

- अंतर्राष्ट्रीय निजी पट्टाकृत परिपथ (आईपीएलसी)– सॉफ्टप्वाइंट
- साझेदारी पर आधारित इंटरनेट सेवाएं–सॉफ्टलिंक
- वीसैट सेवाएं
- सहनियोजन सेवाएं

सॉफ्टप्वाइंट

सॉफ्टप्वाइंट सेवा ''अंतर्राष्ट्रीय निजी पट्टाकृत परिपथ (आईपीएलसी)'' का प्रावधान करने की प्रक्रिया है। आईपीएलसी अंतर्राष्ट्रीय डेटा संप्रेषण के लिये उपलब्ध अंकीय परिपथ है जिसका प्रयोग डेटा संप्रेषण और संचार आदि के लिए होता है। आईपीएलसी सुरक्षित एवं पूर्णतः प्रयोक्ता अनुकूल है और उन कंपनियों के लिए आदर्श हैं, जहां अंतर्राष्ट्रीय डेटा संचरण उच्च मात्रा में होता है।

सॉफ्टलिंक

सॉफ्टलिंक एक ऐसी सेवा है, जो साझेदारी और विश्वसनीयता के आधार पर इंटरनेट अभिगम्यता उपलब्ध करा रही है। उद्योगों की बढ़ती हुई माँग को पूरा करने की दृष्टि से बेहतर गुणवत्ता और प्रतिबद्धता के लिए यह सेवा शुरू की गयी थी। आज काफी संख्या में ग्राहकों द्वारा सॉफ्टलिंक सेवा का लाभ उठाया जा रहा है। वर्ष 2017–18 में, पूरे देश में, एसटीपीआई लगभग 11,162 एमबीपीएस इंटरनेट बैंडविड्थ की सुविधा दे रहा है, जिनमें अधिकतर एसटीपीआई पंजीकृत इकाइयां हैं।

अभिगम्यता नेटवर्क/अंतिम छोर तक संपर्क

अंतिम छोर पर विश्वसनीय सम्पर्क उपलब्ध कराने की दृष्टि से एसटीपीआई ने एक पाईंट से दूसरे पाईंट और एक पाईंट से बहु पाईंट बेतार नेटवर्क का प्रयोग करते हुए स्वयं का सूक्ष्म तरंग नेटवर्क स्थापित किया है, जिससे एसटीपीआई इकाइयों की मूल आवश्यकताएं पूरी होती हैं। माइक्रोवेव ईथरनेट रेडियो जैसी नई प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से नेटवर्क और अधिक सुदृढ़ हुआ है तथा एसटीपीआई के कुल नियंत्रण में लंबी दूरी के साथ अंतिम छोर तक बड़ी बैंडविड्थ की डिलीवरी कर सका है।

एसटीपीआई–बेंगलूरु पिछले कई वर्षों से उपग्रह वाहक निगरानी सेवाएं (सीएमएस) और कैम्प मॉड्युलेशन संसूचन प्रणाली (सीएमडीएस) सेवाएं प्रदान कर रहा है। इन सेवाओं का सामान्य रूप से सीएसएमई सुविधा (संचार प्रणाली तथा निगरानी उपस्कर) के जरिए डाउनलिंक सिग्नल की निगरानी के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें भारतीय समुद्री क्षेत्र भी शामिल है।

परियोजना प्रबंधन और परामर्श (पीएमसी) सेवाएं

पिछले कई वर्षों में, एसटीपीआई प्रौद्योगिकी सेवाओं ने मात्रा और सेवा दोनों पोर्टफोलियो में बहुत विकास किया है। आज, एसटीपीआई के बहुरंगी गुलदस्ते में संचार एवं आईटी, परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाएं और आईटी सुरक्षा लेखापरीक्षा सेवाएं शामिल हैं और यह सरकारी विभागों, आईटी उद्योग, शिक्षा जगत के साथ–साथ विदेशी सरकारी संगठनो सहित ग्राहकों की सेवा में कार्यरत है।

एसटीपीआई अपने ठोस डोमेन ज्ञान, तकनीकी क्षमता तथा प्रक्रिया ज्ञान के जरिए अपने उपभोक्ताओं की आवश्यकता को पूरा करने के लिए तदनुकूल समाधान हेतु बेहतर रणनीति बनाने में सक्षम हुआ है। इन समाधानों के परिणाम स्वरूप संस्थागत संसाधनों का उचित उपयोग और अपेक्षाऐं पूरी हुई है। दशकों से, एसटीपीआई ने परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाएं प्रदान करके कई सरकारी संगठनों की सेवा की है।

खजाने-II परियोजना के लिए परामर्श सेवाएं

ट्रेजरी विभाग, कर्नाटक सरकार अपने डिसेंट्रलाइज्ड आर्किटेक्चर अर्थात खजाने–I को सेंट्रलाइज्ड आर्किटेक्चर आधारित एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) खजाने–II में परिवर्तित कर रहा है, ताकि राज्य के बजट की व्यापक लेखा प्रणाली पर ध्यान दिया जा सके।

आईसीटी संरचना और डेटा केंद्र के सुचारु परिचालन के लिए विभाग ने गैर आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर सहित 450 वर्ग फीट के खजाने–II डेटा केंद्र की स्थापना के लिए एसटीपीआई से परामर्श सेवाएं ली हैं। कर्नाटक राज्य डेटा केंद्र में आपदा निवारण बीसीपी केंन्द्र भी स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही विभाग दिन प्रतिदिन की गतिविधियों के लिए एकीकृत खजाने–II एप्लिकेशन का उपयोग करने के लिए कर्नाटक में सभी हितधारियों को एकीकृत करने में सक्षम हो जाएगा।

परियोजना स्कोप

- खजाने–II के डेटा केंद्र और आपदा निवारण साइट की आईसीटी संरचना की जरूरतों को अंतिम रूप देने में सहायता करना।
- एसआइ के साथ सभी 218 ट्रेजरी कार्यालयों में लैन की स्थापना सुनिश्चित करने के लिए समन्वय और डेटा केंद्र में गैर–आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित करना।
- मासिक आधार पर परियोजना स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- ट्रेजरी कार्यालयों के लिए विभिन्न आईटी और गैर आईटी–इन्फ्रास्ट्रक्चर की खरीद के लिए निविदा प्रक्रिया में सहायता करना।

खजाने-II डेटा केंद्र के रख रखाव के लिए आईसीटी ओ एंड एम सहायता सेवाएं

ट्रेजरी विभाग, कर्नाटक सरकार अगली पीढ़ी के ट्रेजरी ऑटोमेशन सिस्टम अर्थात खजाने–II में प्रवेश कर रहा है, जो ट्रेजरी विभाग के सम्पूर्ण परिचालन के एंड टू एंड एकीकरण सहित केंद्रीकृत संगणक आर्किटेक्चर है। खजाने–II डेटा केंद्र और एप्लिकेशन्स के सुचारु परिचालन के लिए विभाग ने एसटीपीआई की आईसीटी ओ एंड एम सहायता सेवाएं ली हैं।

परियोजना स्कोप

खजाने – II डेटा केंद्र और एप्लिकेशन्स के रख–रखाव के लिए आईसीटी ओ एंड एम सहायता सेवाओं में निम्नलिखित शामिल हैं :

- दैनिक डेटा केंद्र परिचालन की निगरानी और प्रबंधन।
- गतिरोध, रुकावट और सुरक्षा उल्लंघन जैसी घटनाओं की रिपोर्ट की समीक्षा।
- डेटाबेस के सुचारु कार्यकरण को सुनिश्चित करने के लिए चालू आधार पर डेटाबेस का एंड टू एंड प्रबंधन
- एप्लिकेशन डेटाबेस में डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- सर्वर एड्मिनिसट्रेशन, सर्वर और डोमेन सुरक्षा, आवधिक रिपोर्ट देना।
- ईएमएस विन्यास, ईएमएस में एसएलए गणना, ईएमएस रिपोर्ट, ईएमएस लाइसेंसिंग की समीक्षा, आदि।
- कार्यात्मक आवश्यकताओं, एकीकृत अवश्यकताओं, एप्लिकेशन निष्पादन, एप्लिकेशन सुरक्षा, आदि के संदर्भ में एप्लिकेशन मॉड्यूल की समीक्षा।

नगरपालिका सुधार कक्ष (एमआरसी) डेटा सेंटर हेतु सुविधा प्रबंधन सेवाएं

एसटीपीआई, कर्नाटक सरकार के म्यूनिसिपल डेटा सेंटर को परिचालन और रख–रखाव सेवाएं प्रदान कर रहा है, जिसमें एमआरसी डेटा केंद्र के आरंभ से ही नागरिक केन्द्रित एप्लिकेशन्स के लिए सर्वर और सिस्टम एड्मिनिसट्रेशन, नेटवर्क एड्मिनिसट्रेशन, डीबीए आदि शामिल हैं। इसके साथ, नगरपालिका प्रशासन निदेशालय (डीएमए) सभी नागरिक केंद्रित एप्लिकेशन्स की उच्च उपलब्धता को सफलतापूर्वक प्रदान करने में सक्षम रहा है। एमआरसी को एसएएन और इंटरनेट जैसी सम्बद्ध सेवाएं भी दी जा रही हैं। एसटीपीआई ने सफलतापूर्वक सेवाएं प्रदान की हैं और सिस्टम्स, डेटाबेस और नेटवर्क का 99 प्रतिशत अपटाइम बनाए रखने में सफल रहा है।

परियोजना स्कोप

एमआरसी डेटा सेंटर के लिए निम्नलिखित सुविधा प्रबंधन (संचालन और रख रखाव) सेवाएं शामिल हैं:

- सिस्टम प्रशासन
- नेटवर्क प्रशासन
- डेटाबेस प्रशासन
- आईटी प्रबंधन समर्थन सेवाएं

बेंगलूरू मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल), कर्नाटक सरकार को ऑफ साइट डेटाबेस प्रशासन (डीबीए) सहायक सेवाएं

एसटीपीआई वीपीएन के माध्यम से बीएमआरसीएल को दूरस्थ डेटाबेस के लिए ऑफसाइट डेटाबेस प्रशासन (डीबीए) सहायक सेवा प्रदान कर रहा है और डीआर की स्थापना में डेटा बेस प्रतिकृति तथा ऑरेकल डेटाबेस को विंडोज प्लेटफॉर्म से लिनेक्स में बदलने के लिए बीएमआरसीएल को सेवा प्रदान कर रहा है। एसटीपीआई उन्नत अपटाइम, प्रणाली उपलब्धता और बेहतर कार्यनिष्पादन के साथ सफलतापूर्वक सेवाएं प्रदान कर रहा है।

परियोजना स्कोप

- जब और जहाँ जरूरी हो, रिमोट एक्सेस की सहायता से बीएमआरसीएल के डेटाबेस की देखभाल, जिसमें प्रदर्शन सुधार, बैकअप, पैच अपडेट आदि शामिल हैं।
- डीआर की स्थापना में, डेटाबेस प्रतिकृति और ऑरेकल डेटाबेस को विंडोज प्लेटफॉर्म से लिनेक्स में बदलने के लिए बीएमआरसीएल को सेवा प्रदान करना।

इंटीग्रेटिड सिटी ऑपरेशन प्लेटफ़ार्म (आईसीओपी) सहित स्मार्ट सिटी एप्लिकेशन होस्ट करने के लिए केन्द्रीकृत डेटा सेंटर स्थापित करने हेतु परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाएं

शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) शुरू किया है। कर्नाटक में, कर्नाटक अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डेव्लपमेंट एंड फ़ाइनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड (केयूआईडीएफसी) स्मार्ट सिटी मिशन के लिए राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी है। स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य ऐसे शहरों को बढ़ावा देना है, जो मूल अवसंरचना प्रदान करें, अपने नागरिकों को बेहतर गुणवत्ता युक्त जीवन स्तर प्रदान करें और सेवाओं और मौलिक संरचनाओं में सुधार के लिए स्मार्ट समाधान लागू करें।

केयूआईडीएफ़सी ने पाँच शहरों (हुबली–धारवाड, मैंगलुरू, तुमकुर, शिमोगा और दावणगेरे) के लिए कुछ स्मार्ट तत्वों की पहचान की है, जिनको कर्नाटक म्युनिसिपल डाटा संस्था (केएमडीएस) डेटा सेंटर, राजाजी नगर, बेंगलूरू में केंद्रीकृत रूप से होस्ट किया जा सकता है। सभी पाँच शहरों के लिए समान केंद्रीकृत आर्किटेक्चर, आईसीटी संसाधनों के बेहतर उपयोग में सहायता करेगा।

परियोजना स्कोप

केयूआईडीएफ़सी शहरी विकास विभाग, कर्नाटक सरकार ने म्यूनिसिपल प्रशासन निदेशालय (डीएमए) के माध्यम से एसटीपीआई को परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त किया है, जो इंटीग्रेटिड सिटी ऑपरेशन प्लेटफ़ार्म (आईसीओपी) सहित स्मार्ट सिटी एप्लिकेशन होस्ट करने के लिए केंद्रीकृत डेटा सेंटर स्थापित करेगा।

एसटीपीआई की सेवाओं के व्यापक दायरे में डेटासेंटर का डिजाइन तैयार करना, आईसीटी इन्फ्रास्ट्रक्चर (आईटी और गैर आईटी) का आकार तय करना, डीपीआर तैयार करना, उपयुक्त सिस्टम इंटीग्रेटर के चयन के लिए आरएफ़पी दस्तावेज़ तैयार करना, कार्यान्वयन के दौरान परियोजना की निगरानी आदि शामिल हैं। एसटीपीआई ने केएमडीएस को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और आरएफ़पी दस्तावेज़ प्रस्तुत कर दिये हैं और अभी बोली का मूल्यांकन चल रहा है।

कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) के केन्द्रीय कार्यालय के नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन के लिए परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाएं

कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) का केन्द्रीय कार्यालय शांति नगर बेंगलूरु में स्थित है, जिसका निर्मित क्षेत्र 6400 वर्ग मीटर है। केएसआरटीसी 19 मंडलों, 108 डिपो में अपनी सेवाएं प्रदान करता है और पूरे कर्नाटक में इसके पास 37,019 कर्मचारियों का कार्य बल है और तेज़ी के साथ उन्नति कर रहा है। केएसआरटीसी के केन्द्रीय कार्यालय से अनेक आंतरिक विभाग और परियोजनाएं चल रही हैं।

केएसआरटीसी कार्यालय का वर्तमान लैन नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर अभी असंरचित है। अतः केएसआरटीसी ने एसटीपीआई को, कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) के केन्द्रीय कार्यालय के नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर के नवीनतम प्रौद्योगिकी के द्वारा उन्नयन के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त किया है, जो निगम द्वारा प्रभावकारी रूप से कार्य करने और प्रयोक्ताओं की उन्नत तरीके से सेवा करने के लिए अधिकतम उपलब्धता, विश्वसनीयता, सुरक्षा और मापनीयता पर ध्यान देगा।

परियोजना स्कोप

एसटीपीआई की व्यापक सेवाओं में वर्तमान नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर का एज़–इज़ अध्ययन, सम्पूर्ण नेटवर्क आर्किटेक्चर अर्थात मापनीयता, निरर्थकता और सुरक्षा सहित लैन और वैन का डिजाइन तैयार करना, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना, उपयुक्त सिस्टम इंटीग्रेटर के चयन के लिए आरएफ़पी दस्तावेज़ तैयार करना, कार्यान्वयन के दौरान परियोजना की निगरानी आदि शामिल हैं।

एसटीपीआई ने केएसआरटीसी को उसके अनुमोदन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और आरएफ़पी दस्तावेज़ प्रस्तुत किया है।

खान जाँच गेट्स हेतु सीयूजी नेटवर्क की स्थापना

एसटीपीआई, भुवनेश्वर को खदान निदेशालय, ओडिशा सरकार ने कोइरा खदान क्षेत्र, ओडिशा में छः जांच गेटों और उपनिदेशक खदान कार्यालय के बीच सीयूजी नेटवर्क की स्थापना का काम दिया है, जिसके उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- स्रोत पर जारी ई–पास का ऑनलाइन सत्यापन
- चेक गेट्स पर गतिविधियों की निगरानी और नियंत्रण
- वास्तविक समय के आधार पर लाइव सर्वर में डेटा को सिंक्रोनाइज़ करना
- 24 × 7 × 365 आधार पर सहायता प्रदान करना

एसटीपीआई, परियोजना के प्रबंधन और परामर्शदाता के रूप में कार्य कर रहा है और चयनित एजेंसियों के माध्यम से निम्नलिखित सोल्युशंस सेवाएं प्रदान कर रहा है:–

- डीडीएम, कोइरा कार्यालय और 6 चेक गेट्स कनेक्ट करने के लिए एक मजबूत और सुरक्षित नेटवर्क के बुनियादी ढांचे का निर्माण।
- ऑनलाइन जांच और अपडेट के लिए चेक गेट स्तर पर आधुनिक आईटी संरचना की स्थापना करना।
- रियल टाइम निगरानी बनाए रखने के लिए निगरानी सुविधा का निर्माण करना।
- प्रबंधन और समाधान की निगरानी के लिए विशेषज्ञ कर्मियों के साथ पीएमयू प्रबंध।

यह परियोजना, जो 31 मार्च, 2015 को शुरू की गई थी, छः वर्षों तक चलेगी। एसटीपीआई उपरोक्त अवधि के दौरान परियोजना के परिचालन और रखरखाव के लिए उत्तरदायी है।

गोवा में गोवा ब्रॉडबैंड नेटवर्क (जीबीबीएन) का तृतीय पक्ष ऑडिटर (टीपीए)

गोवा ब्रॉडबैंड नेटवर्क (जीबीबीएन) पूरे गोवा राज्य में यथा आवश्यक वायरलेस कनेक्टिविटी के साथ आप्टिक फाइबर केबल कनेक्टिविटी सहित ब्रॉडबैंड नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदान कर रहा है। एसटीपीआइ पूरे गोवा में जीबीबीएन नेटवर्क की निगरानी के लिए तृतीय पक्ष ऑडिटर (टीपीए) के रूप में कार्य कर रहा है। टीपीए एजेंसी के कार्य क्षेत्र में जीबीबीएन के प्रदर्शन की निगरानी, सेवा समझौते में परिभाषित अपेक्षित सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क की आवधिक लेखा परीक्षा शामिल है। लेखा परीक्षा का मुख्य प्रायोजन एसएलए में परिभाषित अपेक्षित सेवा शर्तों के अनुसार परियोजना के लक्ष्य को हासिल करना और सेवा स्तर में सुधार के लिए सलाह देना है।

एसटीपीआई का पाँच वर्षों के लिए टीपीए के रूप में चयन किया गया है। समझौते पर 1 अप्रैल, 2016 को हस्ताक्षर किए गए थे। एसटीपीआई, राज्य सरकार को नियमित रूप से त्रैमासिक गारंटीड राजस्व रिपोर्ट (क्यूजीआर) देता आया है, जिसमें कार्य निष्पादन, लेखा परीक्षा रिपोर्ट, एसएलए गणना और आंतरिक और सुरक्षा लेखा–परीक्षा रिपोर्ट शामिल हैं। अक्तूबर, 2018 तक की रिपोर्ट्स प्रस्तुत कर दी गई हैं।

सेमीकन्डक्टर परिमापन विश्लेषण और विश्वसनीयता परीक्षण (स्मार्ट) प्रयोगशाला

कर्नाटक सरकार के सहयोग से एसटीपीआई द्वारा स्मार्ट लैब की स्थापना की गई है, जिसका उद्देश्य सेमीकन्डक्टर और हार्डवेयर उद्योग को सेमीकन्डक्टर चिप्स के परीक्षण और वैधीकरण के लिए सक्षम बनाना है। एसटीपीआई स्मार्ट लैब नवीनतम उच्च स्तरीय सेमीकन्डक्टर परीक्षण और परिमापन और विश्वसनीयता उपकरणों से सुसज्जित हैं और इस परियोजना की कुल लागत एसटीपीआई और कर्नाटक सरकार द्वारा समान रूप में वहन की गयी है।

एसटीपीआई स्मार्ट लैब से भारत में सेमीकन्डक्टर चिप्स के लक्षण निरूपण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करके हार्डवेयर उद्योग के विकास में सहायक होने की अपेक्षा है। यह भारत में निर्मित उत्पादों के लिए एक सोपान साबित होगा। एसटीपीआई स्मार्ट लैब, सेमीकन्डक्टर विनिर्माताओं की स्टैंड अलोन एकीकृत सर्किट जरूरतों को पूरा करने के लिए चिप पर प्रणाली (एसओसी) और पैकेज में प्रणाली (एसआईपी) उपकरणों हेतु परीक्षण समाधान देती है। स्मार्ट

बेंगलूरु में स्मार्ट लैब

लैब सेमीकन्डक्टर उद्योग के लिए अनूठी मोड्यूलर परीक्षण वास्तुकला भी प्रदान करती है और परीक्षण की लागत कम करती है।

स्मार्ट लैब सभी आवश्यक परीक्षण और परिमापन और विश्वसनीयता परीक्षण उपकरणों से सुसज्जित हैं। स्मार्ट लैब सेवाएं 20 दिसम्बर, 2017 से संचालित की जा रही हैं। जब से लैब संचालित की गयी है, ईएसडीएम क्षेत्र की कंपनियों जैसे कि इंटेल, सैनडिस्क, एआरएम, सिग्नल चिप, कैडेंस, आईसीओएन डीएपीएल, एबीबी इंडिया लिमिटेड, टेक्सास इन्स्ट्रूमेंट्स, एनालॉग डिवाइसिस इंक., एच–माइक्रो, कोयोटे, एचसीएल आदि ने स्मार्ट लैब सेवाओं का उपयोग करना शुरू कर दिया है।

इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क (ईपी)

इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम), भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है। इस उद्योग के नए उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकन्डक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के सहयोग से एसटीपीआई ने दिल्ली विश्वविद्यालय कैंपस में एक इलेक्ट्रोप्रिन्योर पार्क (ईपी) स्थापित किया है। इस पहल का लक्ष्य, ईएसडीएम विस्तार में 50 स्टार्टअप्स को सपोर्ट करने और पांच साल की अवधि में कम से कम 5 वैश्विक कंपनियों को बनाने का है। यह पार्क स्थानीय आईपी निर्माण और स्वदेशी उत्पाद विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिससे घरेलू गुणवत्ता में वृद्धि होगी और शिक्षा, उद्योग, सरकार और अन्य सहायक तत्वों का एक अनूठा एकीकरण होगा। यह उद्योग जगत में एक अनूठी पहल है, जो देश में इन्क्यूबेशन केन्द्रों के संरक्षण और विकास के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगी। ईपी ने 31 मार्च, 2018 तक सफलतापूर्वक तीन सत्र पूरे कर लिए हैं। ईपी फिलहाल अपने चौथे सत्र में है और इसने एक यथोचित प्रभाव बनाया है। जिसमें 17 स्टार्टअप्स को उनकी संबन्धित उद्यमी यात्रा में लाभ मिला है। इसके अतिरिक्त, इन स्टार्टअप्स ने कम समय में अपनी उपलब्धियों द्वारा अपनी क्षमताएं प्रदर्शित की हैं। चौथे सत्र के आरंभ में,12 प्रोटोटाइप्स सहित 14 उत्पाद सृजित किए जा चुके हैं और 5 आईपीआर और 4 अनंतिम पेटेंट दायर किए गए हैं, जिससे इन स्टार्टअप्स का वित्त पोषण, राजस्व और रोजगार सृजन हुआ है। ये स्टार्टअप्स ईपी में निरंतर नई ऊँचाइयां हासिल कर रहे हैं और इन्होने देश के ईएसडीएम के परिदृश्य में खुद के लिए एक जगह बनाई है।

बीपीओ संवर्धन योजनाएँ–आईटी नौकरियों का सृजन

संतुलित क्षेत्रीय विकास और छोटे शहरों में आईटी उद्योग के विस्तार के लिए, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने डिजिटल भारत पहल के तहत भारत बीपीओ संवर्धन योजना (आईबीपीएस) और पूर्वोत्तर बीपीओ संवर्धन योजना (एनईबीपीएस) आरम्भ की हैं। इन योजनाओं के उद्देश्य छोटे शहरों में बीपीओ/आईटीईएस परिचालन स्थापित कर स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और संबंधित क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निवेश आकर्षित करना है। एसटीपीआई दोनों योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है। उपरोक्त योजनाएं पात्र कंपनियों को व्यवहार्यता अंतर वित्त पोषण के रूप में प्रति सीट 1 लाख रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं।

पूर्वोत्तर राज्यों में एनईबीपीएस का लक्ष्य 5,000 बीपीओ/आईटीईएस सीटों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान करना है। बोली के आठ दौर के बाद, योजना के अंतर्गत बीपीओ/आईटीईएस के संचालन के लिए 13 सफल बोलीदाताओं को 1, 960 सीटें आवंटित की जा चुकी हैं।

उत्तर–पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) और मेट्रो शहरों को छोड़कर आईबीपीएस योजना के अंतर्गत, पूरे देश में 48,300 सीटों के वितरण की योजना बनाई गई है। पाँच राउंड बोली के बाद, आईबीपीएस के तहत पूरे देश में बीपीओ/आईटीईएस ऑपरेशन की स्थापना के लिए 128 सफल बोलीदाताओं को 31,732 सीटों का आवंटन किया जा चुका है।

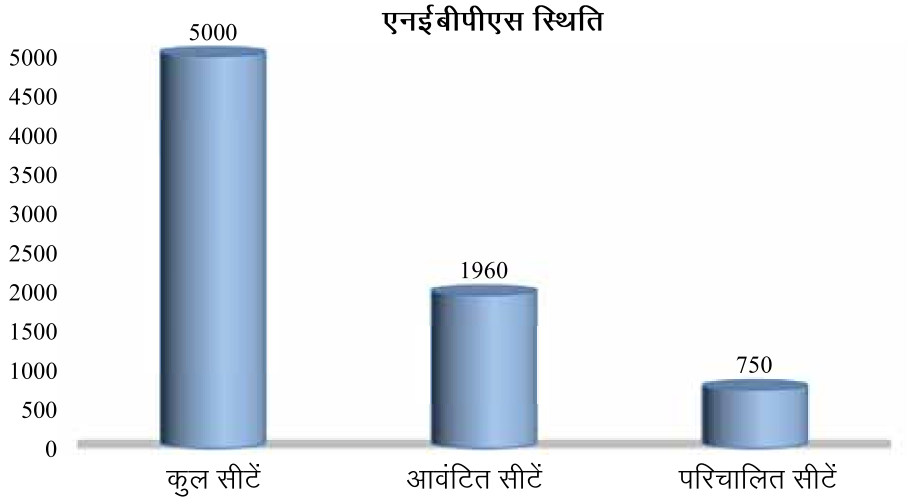

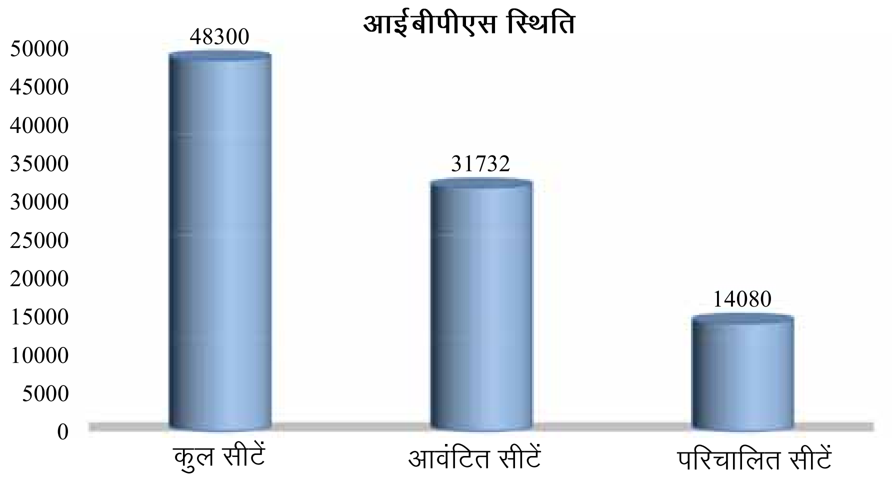

संवर्धनात्मक कार्यकलाप

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुकूल परिवेश बनाकर छोटे और मध्यम उद्यमियों (एसएमई) को प्रोत्साहन

एसटीपीआई नीचे दिए गए विवरण के अनुसार इन्क्यूबेशन सेवाएं, कार्यक्रमों का आयोजन, प्रायोजन/सह–आयोजन, विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी करके, संसाधन विकास और निर्यात संवर्धन प्रयास करके एसएमई के उद्देश्यों को बढ़ावा दे रहा हैः–

इन्क्यूबेशन सेवा

एसटीपीआई विभिन्न केन्द्रों पर नई इकाई शुरू करने के लिए इन्क्यूबेशन सेवाएं प्रदान कर रहा है। इससे स्टार्टअप इकाइयों और उद्यमियों को बहुत मदद मिलती है।

कार्यक्रमों का आयोजन

- 7–9 दिसम्बर, 2017 को आयोजित इन्फोकोम कोलकाता 2017 के दौरान पश्चिम बंगाल के लिए एसटीपीआई निर्यात पुरस्कार।
- एसटीपीआई ने आईटी, बीटी, और एसटी विभाग, कर्नाटक सरकार के साथ बेंगलूरु टेक्नोलॉजी सम्मिट 2017 की सह–मेजबानी की। यह कार्यक्रम 16–18 नवम्बर, 2017 को बेंगलूरु में आयोजित किया गया था।

एसटीपीआई ने आईटी और इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को आईटी निर्यात पुरस्कार प्रदान कर उनके प्रयास को सराहा। साथ ही, एसटीपीआई ने कर्नाटक क्षेत्र के 30 एमएसएमई कंपनियों के लिए निःशुल्क प्रदर्शनी स्थल को भी प्रायोजित किया था।

अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में भागीदारी

- सांता क्लारा, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका में 06–07 मई, 2017 तक टाईकॉन, 2017
- ताइपेई, ताइवान में 30 मई–03 जून, 2017 तक कम्प्युटेक्स 2017
- लागोस, नाइजीरिया में 5–8 सितंबर, 2017 तक भारत–अफ्रीका आईसीटी एक्स्पो 2017 और आईटी और टेलीकॉम सम्मिट
- सियोल, साउथ कोरिया में 14–16 सितम्बर, 2017 तक सॉफ्ट वेव 2017
- बार्सिलोना में 3–5 अक्तूबर, 2017 तक आईओटी सोल्यूशंस वर्ल्ड कॉंग्रेस–2017
- दुबई, यूएई में 10–12 अक्तूबर, 2017 तक जीआईटीईएक्स टेक्नोलॉजी वीक
- हवाना, क्यूबा में 30 अक्तूबर–3 नवम्बर, 2017 तक 35वां हवाना इंटरनेशनल फेयर (एफ़आईएचएवी)
- टोक्यो, जापान में 8–10 नवम्बर, 2017 तक जापान आईटी वीक–2017

कार्यक्रमों में भागीदारी/प्रायोजन/सह-प्रायोजन

- गुवाहाटी में 3–4 मई, 2017 तक आरोहण–2017
- भोपाल में 10 मई, 2017 को नवोन्मेष और उद्यमिता संवर्धन के लिए नीतियों के निर्माण संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन (एमपीपीआईई)
- बेंगलूरु में 26–28 मई, 2017 तक सृष्टि –2017
- गुरुग्राम में 10–18 जुलाई, 2017 तक सैनोग XXX
- बेंगलूरु में 13–14 जुलाई, 2017 तक 13वां भारतीय नवप्रवर्तन सम्मिट 2017
- नई दिल्ली में 14 जुलाई, 2017 को इन्फोकोम 2017–दिल्ली चैप्टर
- गुवाहाटी में 7–8 सितम्बर, 2017 तक पूर्वोत्तर सूचना और संचार प्रौद्यौगिकी (एनआईसीटी) 2017
- नई दिल्ली में 9–10 सितम्बर, 2017 तक नॉर्थ–ईस्ट कॉलिंग

- जयपुर में 13–15 अक्तूबर, 2017 तक 5वां राजस्थान विज्ञान काँग्रेस
- चेन्नै में 13–16 अक्तूबर, 2017 तक आईआईएसएफ़ 2017
- लखनऊ में 2–4 नवम्बर, 2017 तक 35वां भारतीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्था का वार्षिक सम्मेलन
- ग्रेटर नोएडा में 3 नवम्बर, 2017 तक टेक प्रो सम्मिट 2के–17
- चेन्नै में 6–7 नवम्बर, 2017 तक कनैक्ट 2017
- बेंगलूरु में 14–15 नवम्बर, 2017 तक ''पीकेआई और इसके अनुप्रयोग 2017'' पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
- नई दिल्ली में 23–24 नवम्बर, 2017 तक ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑन साइबरस्पेस (जीसीसीएस) 2017
- गंगटोक में 24–25 नवम्बर, 2017 तक कंचन पांडा स्टार्टअप फेस्टिवल
- नई दिल्ली में 29 नवम्बर, 2017 तक बीपीएस–टेक सम्मिट 2017
- कोयम्बटूर में 8–10 दिसम्बर, 2017 तक तमिलनाडु इनोवेशन ग्रांड चैलेंज प्रोग्राम
- मुंबई में 13–15 दिसम्बर, 2017 तक फ्युचर फ़ैक्टरी 2017
- नई दिल्ली में 15–16 दिसम्बर, 2017 तक टाईकॉन दिल्ली 2017
- बेंगलूरु में 11–12 जनवरी, 2018 तक राइजिंग इंडिया सम्मिट 2018
- बेंगलूरु में 24–25 जनवरी, 2018 तक इंडियासोफ्ट और ग्लोबलसोफ्ट 2018
- मुंबई में 21–22 फ़रवरी, 2018 तक टाइ ग्लोबल सम्मिट 2018
- हैदराबाद में 26–27 फ़रवरी, 2018 तक 21वां ई–गवर्नेंस संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीईजी)
- बेंगलूरु में 27–28 फ़रवरी, 2018 तक आईईएसए विजन सम्मिट
- चंडीगढ़ में 8–9 मार्च, 2018 तक टाईकॉन चंडीगढ़ 2018
- नई दिल्ली में 11 मार्च, 2018 तक ''आवाहन–दूसरा नेशनल इंस्टीट्यूट स्टूडेंट्स मीट''
- इम्फ़ाल में 16–20 मार्च, 2018 तक 105वां इंडियन साइन्स काँग्रेस (आईएससी)

बेंगलूरु में आईटी/आईटीईएस/ईएसडीएम इंडस्ट्री इंटरऐक्शन मीट

इटानगर में एसटीपीआई केंद्र का शिलान्यास

पटना में आईटी/आईटीईएस इन्वेस्टर्स कॉनक्लेव

भुवनेश्वर में ओडिशा एमएसएमई ट्रेड फेयर 2017

एमटीएनएल–एसटीपीआई संयुक्त उद्यम

एमटीएनएल-एसटीपीआई संयुक्त उद्यम

एमटीएनएल –एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लिमिटेड (एमएसआईटीएसएल), जो कि एमटीएनएल तथा एसटीपीआई की एक संयुक्त उद्यम कम्पनी है, ने चेन्नई में 3500 वर्ग फुट के टियर–III डेटा केन्द्र तथा उसके संबंधित कार्यालय (5000 वर्ग फुट से अधिक) वाले एक अत्याधुनिक विश्वस्तरीय डेटा केन्द्र की स्थापना की है।

इसका मुख्य लक्ष्य कम्पनी के आधारभूत ढाँचे को होस्ट करने के साथ–साथ कम्पनी को होस्टिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए सक्षम बनाना है।

चेन्नई डाटा केन्द्र का 1200 वर्ग फीट स्थान विदेश मंत्रालय के अंतर्गत ''पासपोर्ट सेवा परियोजना'' के लिए मुहैया कराया गया है।

एसटीपीआई का वित्तीय विश्लेषण

एसटीपीआई का वित्तीय विश्लेषण

एसटीपीआई की वित्त वर्ष 2017–18 के दौरान कुल राजस्व आय ₹ 181.64 करोड़ थी। ₹ 0.53 करोड़ के घाटे के साथ राजस्व व्यय ₹ 182.17 करोड़ (अवमूल्यन के साथ) है। पूर्व अवधि के मदों के समायोजन के बाद तुलन–पत्र में ₹ 1.33 करोड़ के घाटे को लाया गया है।

निम्नलिखित ग्राफ आय और व्यय के रूझानों को प्रदर्शित करता है:

(₹ करोड़ में)

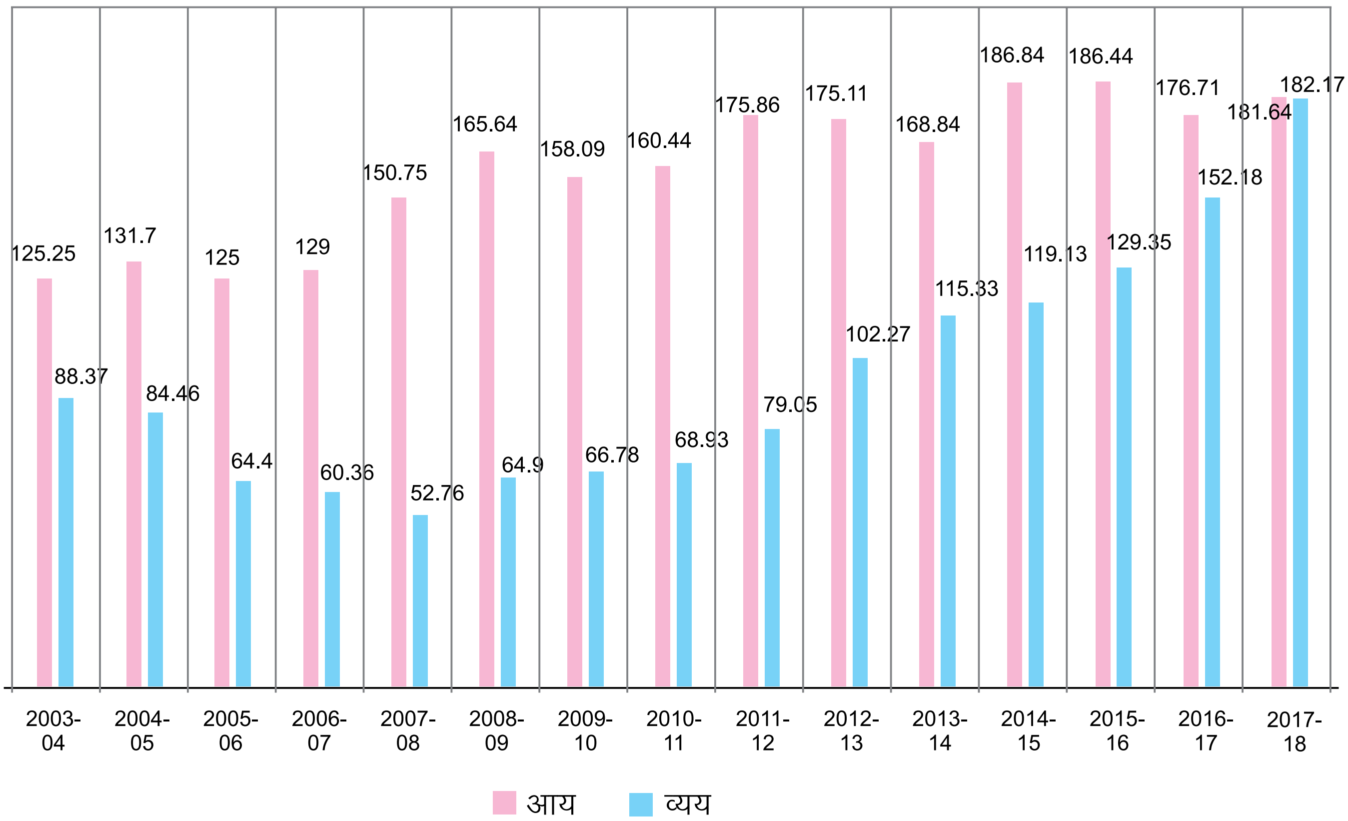

टिप्पणी: गत् वर्षों के व्यय (2010–11 से पहले) में मूल्यहास शामिल नहीं है।

लेखा विवरण

वित्तीय वर्ष 2017–18 के लेखाओं का संपरीक्षित विवरण अनुबंध–1 में दिया गया है।

आभार

परिषद, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों, भारतीय रिजर्व बैंक, विभिन्न राज्य सरकारों, देशों में स्थित भारतीय मिशनों, अंतर्राष्ट्रीय वाहकों, हमारे बैंकरों, एसटीपीआई इकाइयों के सदस्यों, सॉफ्टवेयर उद्योग संघों तथा सांविधिक लेखा परीक्षकों से प्राप्त सहयोग के लिये उनका कृतज्ञता पूर्वक आभार व्यक्त करती है। परिषद एसटीपीआई के सफलतापूर्वक कार्य करने के लिए इसके अधिकारियों/कर्मचारियों के अथक प्रयासों के लिये उनका भी आभार मानती है।

(रविशंकर प्रसाद)
अध्यक्ष
शासी परिषद,
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
और
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी तथा विधि और न्याय मंत्री,
भारत सरकार

अनुबंध–1

वार्षिक लेखा

31 मार्च, 2018 को
समाप्त अवधि के लिए

स्वतंत्रा लेखा परीक्षक रिपोर्ट

शासी परिषद,
सॉफ्टवेयर टेकनोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
नई दिल्ली

हमने सॉफ्टवेयर टेकनोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के संलग्न वित्तीय विवरण पत्र की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र और इस वर्ष की समाप्ति पर आय और व्यय एवं नकदी प्रवाह विवरण–पत्र तथा महत्वपूर्ण लेखांकन प्रतियों का संक्षेप और अन्य विवरणात्मक सूचना शामिल है। इसमे (i) मुख्यालय तथा नोएडा केन्द्र का हमारे द्वारा की गयी लेखा परीक्षा तथा (ii) शाखा के लेखा परीक्षकों द्वारा की गई आठ केन्द्रों (चेन्नै, महाराष्ट्र, हैदराबाद, गांधीनगर, भुवनेश्वर, तिरूवनन्तपुरम, बैंगलूरू और गुवाहाटी) की लेखा परीक्षा का विवरण शामिल हैं। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली द्वारा एसटीपीआई, नई दिल्ली को दिये गये दिशानिर्देशों के अनुसार लेखा परीक्षकों के मध्य कार्यों का आवंटन किया गया है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधक वर्ग का उत्तरदायित्व

इन वित्तीय विवरण को तैयार करने की ज़िम्मेदारी प्रबंध वर्ग की है,जो भारत के सनदी लेखाकार संस्थान और संस्था पंजीकरण अधिनियम, 1860 द्वारा जारी लेखांकन मानदंडो के अनुसार, संस्था की वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्य निष्पादन एवं नकदी प्रवाह का सही और उचित चित्र प्रस्तुत करता है। इस ज़िम्मेदारी में संस्था की परिसंपत्ति की सुरक्षा और धोखाधड़ी की पहचान करने और उसे रोकने के लिए पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड बनाए रखना, समुचित लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग, तर्कसंगत और विवेकपूर्ण निर्णय लेना और अनुमान व्यक्त करना और ऐसे पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की रूपरेखा तैयार करना, उसका कार्यान्वयन और उसका अनुरक्षण करना है, जो लेखांकन रिकॉर्ड की यथार्थता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावकारी रूप से कार्य कर रहा है, जो वित्तीय विवरण तैयार करने और उसके प्रस्तुतिकरण से संबन्धित हैं और यह धोखाधड़ी अथवा त्रुटि से उत्पन्न सभी प्रकार के मिथ्या कथन से मुक्त एकदम उचित तथा निष्पक्ष स्थिति प्रस्तुत करता है।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारा उत्तरदायित्व अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है। हमने अपनी लेखा परीक्षा भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा के मानको के अनुसार की है। इन मानकों में हमसे अपेक्षा की जाती है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करें एवं लेखा परीक्षा की योजना इस प्रकार बनाएं और उसे निष्पादित करें ताकि समुचित आश्वासन प्राप्त हो कि ये वित्तीय विवरणियाँ मिथ्या कथन से मुक्त हैं।

लेखा परीक्षा में राशि के बारे में लेखा परीक्षा के साक्ष्य एवं वित्तीय विवरण–पत्रों में प्रकटन प्राप्त करने की निष्पादन प्रक्रिया शामिल हैं। चयनित प्रक्रियाएं लेखा परीक्षक के निर्णय पर आधारित होती हैं, जिसमे वित्तीय विवरण–पत्रों के मिथ्या कथन के जोखिमों का मूल्यांकन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटि के कारण। इन जोखिमों का मूल्यांकन करने में, लेखा परीक्षक वित्तीय विवरण–पत्रो के लिए संस्था की तैयारी और सही एवं उचित प्रस्तुतिकरण से संबन्धित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर विचार करती है, जो इन हालातों में उपयुक्त हैं किन्तु इसका उद्देश्य यह राय व्यक्त करना नहीं है कि क्या संस्था के

पास वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण की पर्याप्त प्रणाली है और यह प्रणाली पर्याप्त रूप से कार्य कर रही है। लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखांकन नीतियों का औचित्य और वित्तीय विवरण–पत्रों के कुल के मूल्यांकन के साथ–साथ प्रबंध–वर्ग द्वारा तैयार किए गए लेखांकन अनुमानों की तर्कसंगतता शामिल है।

हमे विश्वास है कि हमें प्राप्त लेखा परीक्षा के साक्ष्य, वित्तीय विवरण–पत्र पर हमारी लेखा परीक्षा संबंधी राय प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित है।

दृष्टिकोण

हमारे दृष्टिकोण में एवं हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिये गए स्पष्टीकरणों के अनुसार उपरोक्त वित्तीय विवरण भारत में सामान्य रुप से स्वीकार लेखांकन सिद्धांतो के अनुरूप 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार संस्था के कामकाज के बारे में तथा इसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए संस्था के अधिशेष और नकदी प्रवाह के बारे में सही एवं उचित स्थिति प्रदर्शित करते हैं।

ध्यान देने योग्य बातें :-

वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियों में निम्नलिखित मामलों पर ध्यान आकर्षित किया जाता है:–

(क) बेतार आयोजना समन्वय की डब्ल्यू/टी लाइसेन्स शुल्क का लेखाओं में न दर्ज करने/मिलान करने के बारे में वित्तीय विवरण की अनुसूची 22 क की टिप्पणी 7 पर 31 दिसम्बर, 2004 तक दूरसंचार विभाग द्वारा माँगी गई ₹ 6,30,20,500/– की राशि में से ₹ 5,60,97,608/– रुपए की राशि की अदायगी कर दी गई है तथा इसे खाते में दर्ज कर दिया है तथा 01.01.2005 से 31.03.2018 तक की बाद की अवधि के लिए व्यय का प्रावधान नहीं किया गया है।

(ख) वित्तीय विवरण की अनुसूची 22 क की टिप्पणी 9(क) और 9(ख) जो कि चालू वर्ष की आस्थगित कर परिसंपत्ति/देनदारी/चालू कर को अमान्य करने के बारे में है, संस्था द्वारा पिछले वर्ष की आस्थगित प्राप्तियों/देनदारियों को पर्याप्त सावधानी के तौर पर समान मूल्य पर आगे लाया गया और इसे यथोचित समय आने पर बटटे खाते में डाला जाएगा।

(ग) संस्था ने वर्ष के दौरान सरकारी अनुदान के अनुपालन/खुलासे की सूचना नहीं दी है जो कि लेखांकन मानदंड 12– ''सरकारी अनुदान का लेखांकन'' का उल्लंघन है।

उपरोक्त मामलों का आय व व्यय लेखा पर प्रभाव निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

इन मामलों में हमारा मत नहीं बदला है।

अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं के बारे में रिपोर्ट

(क) हमने ऐसी सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए है, जोकि हमारे सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजन से आवश्यक थे।

(ख) हमारी राय में हमारे द्वारा लेखा परीक्षित बहीखातों से यह पता चलता है कि संस्था द्वारा बहीखातों को समुचित रूप से रखा गया है और जिन केंद्रों में हम नहीं गए वहाँ से भी हमारे लेखा परीक्षा प्रयोजन से समुचित जानकारी प्रदान की गई।

(ग) संस्था के केंद्रों के लेखाओं की रिपोर्टों की भी केंद्रों के लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षा करके हमें भेजी गई, जिसका रिर्पोट तैयार करते समय हमने समुचित संज्ञान लिया है।

(घ) इस रिपोर्ट में शामिल तुलन–पत्र और आय एवं व्यय लेखा और नकद प्रवाह विवरण बही खातो से मेल खाते हैं और जिन केंद्रों में हम नहीं गए वहाँ से प्राप्त जानकारी के अनुरूप हैं।

(ङ) हमारी राय में, तुलन–पत्र, आय एवं व्यय खाता विवरण–पत्र में, ''सरकारी अनुदान के लिए लेखांकन'' के बारे में अनुपालन/प्रकटन से संबंधित एस–12 को छोड़कर, अनुप्रयोज्य लेखांकन मानदंडों का अनुपालन किया गया है।

कृते एस एस कोठारी मेहता एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
(पंजीकरण स. 000756एन)

(सीए नीरज बंसल)
(भागीदार)
(सदस्य संख्या–095960)

स्थान – नई दिल्ली
दिनांकः 24 सितम्बर, 2018

लेखा परीक्षक

वार्षिक लेखा

वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी एंड एजी आई) की सिफारिश के आधार पर एसटीपीआई के लिए सांविधिक और शाखा लेखा परीक्षक नियुक्त किए गए हैं। इनकी सूची निम्न प्रकार है:–

क्रम सं.	लेखा परीक्षक कम्पनी का नाम	केन्द्रों के नाम
1	**एस एस कोठारी मेहता एंड कंपनी** 146–148, त्रिभुवन परिसर, ईश्वर नगर, मथुरा रोड, नई दिल्ली–110065	लेखा का समेकन, लेखा परीक्षा एसटीपीआई–मुख्यालय, एसटीपीआई– नोएडा, मोहाली, जयपुर, इन्दौर, श्रीनगर, लखनऊ, देहरादून, शिमला, कानपुर, भिलाई, प्रयागराज और गुरूग्राम
2	**एस वी आर और एसोसिएट्स** एस–3, द्वितीय तल, मंगलम चैम्बर सं. 25, के एच रोड, बेंगलूरु–560027, (कर्नाटक)	बेंगलूरु, हैदराबाद और चेन्नई इकाई की लेखा परीक्षा
3	**पटानकर एण्ड एसोसिएट्स** कार्यालय सं. 19–23, चौथी मंजिल, गोल्ड विंग्स, सं. 118/ए, प्लॉट नं. 543, पार्वती नगर, सिंहगढ़ रोड, पुणे–411030 (महाराष्ट्र)	पुणे, नवी मुंबई एवं गांधीनगर इकाई की लेखा परीक्षा
4	**ओम केजरीवाल एंड कं.** ए17/10, नीलगिरि निवास, एसपी सतर्कता कार्यालय के पास, सूर्य नगर, भुवनेश्वर–751 003 (ओडिशा)	भुवनेश्वर और गुवाहाटी इकाई की लेखा परीक्षा
5	**एन एस सरमा एसोसिएट्स** टीसी 37/1080, साउथ स्ट्रीट, फोर्ट पीओ, तिरूवनंतपुरम–695023 (केरल)	तिरूवनंतपुरम

31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

(राशि ₹ में)

विवरण		अनुसूची सं.	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
निधियों का स्रोतः				
सामान्य निधि		1	7,376,431,209	7,389,809,615
आरक्षित एवं आधिक्य		2	136,318,566	136,318,566
चिन्हित निधि		3	1,833,009,405	1,753,009,405
	(क)		9,345,759,180	9,279,137,587
अन्तर इकाई लेखा	(ख)	4	-	-
ऋण निधि				
आरक्षित ऋण		5	-	-
अनारक्षित ऋण			57,000,000	57,324,200
	(ग)		57,000,000	57,324,200
आस्थगित कर देयताएं	(घ)		-	-
कुल (क + ख + ग + घ)			**9,402,759,180**	**9,336,461,787**
निधियों का प्रयोगः				
स्थायी परिसम्पत्तियां				
सकल खण्ड		6	3,910,418,870	3,951,654,585
घटाइएः संचित मूल्य हास			2,367,702,455	2,616,362,605
निवल खण्ड			1,542,716,415	1,335,291,980
प्रगति पर पूँजीगत कार्य		7	1,120,332,203	988,394,483
	(च)		**2,663,048,618**	**2,323,686,463**
निवेश	(छ)	8	46,988,502	46,973,330
आस्थगित कर परिसम्पत्तियां	(ज)		239,374,292	239,374,292
चालू परिसम्पत्तियां ऋण, तथा पेशगियां				
मालसूची		9	1,252,678	-
फुटकर देनदार		10	146,821,334	231,439,262
शेष नकद		11	3,187	114,187
ऋण तथा पेशगियां		12	4,664,164,208	4,251,646,269
बैंक में शेष जमा राशि		11	5,047,825,216	5,137,317,865
प्रचालनपूर्व खर्चे			12,355,873	13,851,584
घटाइएः चालू देयताएं तथा प्रावधान				
चालू देयताएं		13	1,430,336,482	939,316,099
प्रावधान		14	1,988,738,244	1,968,625,366
निवल चालू परिसम्पत्तियां	(झ)		6,453,347,768	6,726,427,701
कुल (च + छ + ज + झ)			**9,402,759,180**	**9,336,461,787**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां तथा लेखाओं पर की गई टिप्पणियां		**22 और 22क**		

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते एस एस कोठारी मेहता एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
(पंजीकरण सं. 000756एन)

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

(पी.एन.सक्सेना)
निदेशक (वित्त)

(देवेश त्यागी)
वरि. निदेशक

(डॉ. ओंकार राय)
महानिदेशक

(सीए नीरज बंसल)
भागीदार
सदस्य संख्याः 095960
स्थानः. नई दिल्ली
दिनांकः 24.09.2018

31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार आय व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची सं.	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आय			
प्रचालन आय	15	1,475,740,809	1,346,480,367
अर्जित ब्याज	16	285,045,775	383,753,533
अन्य आय	17	55,592,035	36,941,201
		1,816,378,619	**1,767,175,101**
व्यय			
डाटा लिंक प्रभार		66,807,431	46,835,234
परियोजना व्यय		21,437,090	36,833,813
कर्मचारियों की पारिश्रमिकी एवं लाभ	18	789,828,022	708,822,108
बिक्री, प्रशासन एवं अन्य व्यय	19	656,786,428	536,931,836
ब्याज एवं वित्त प्रभार	20	2,429,136	1,232,636
मूल्यह्रास	6	284,415,599	191,200,171
		1,821,703,705	**1,521,855,798**
कर से पूर्व आधिक्य/घाटा तथा पूर्व अवधि का समायोजन		**(5,325,086)**	**245,319,303**
पूर्व अवधि का समायोजन	21	8,053,317	7,882,647
कर से पूर्व आधिक्य/घाटा		**(13,378,404)**	**237,436,656**
कराधान के लिए प्रावधानः			
वर्तमान आयकर		-	
आस्थगित कर		-	
फ्रिंज बेनेफिट कर		-	
सम्पदा कर		-	
पिछले वर्षों का कर समायोजन		-	
कुल कर व्यय		**-**	
कर के बाद आधिक्य/घाटा		**(13,378,404)**	**237,436,656**
शेष आधिक्य/घाटा को तुलन–पत्र में लाया गया		(13,378,404)	237,436,656
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां तथा लेखाओं पर की गई टिप्पणियां	22 और 22क		

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते एस एस कोठारी मेहता एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
(पंजीकरण सं. 000756एन)

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

(पी.एन.सक्सेना)
निदेशक (वित्त)

(देवेश त्यागी)
वरि. निदेशक

(डॉ. ओंकार राय)
महानिदेशक

(सीए नीरज बंसल)
भागीदार
सदस्य संख्याः 095960
स्थानः. नई दिल्ली
दिनांकः 24.09.2018

31 मार्च 2018 को समाप्त नगदी प्रवाह विवरण

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
प्रचालन गतिविधियों से नगदी प्रवाह		
कर से पहले निवल आधिक्य एवं गत अवधि समायोजन	**(5,325,086)**	**245,319,303**
के लिए समायोजन		
मूल्यहास	284,415,599	191,200,171
ब्याज व्यय	2,429,136	1,232,636
विविध देनदारों के लिए प्रावधान प्रतिलेखन	(15,770,434)	(7,400,673)
संयुक्त उद्यम से प्राप्त लाभांश	(2,282,000)	-
विविध ऋणशेष प्रतिलेखन	(23,991,348)	(6,036,379)
सेवानिवृति लाभ हेतु प्रावधान	78,747,093	118,395,208
संदेहास्पद ऋण हेतु प्रावधान	8,293,500	8,121,636
न वसूले जाने वाले ऋण बट्टे–खाते में	3,207,254	5,308,771
अचल सम्पति की बिक्री पर लाभ/हानि	(467,320)	(703,973)
ब्याज की आय	(285,045,775)	(383,753,533)
खर्चों का परिशोधन	1,229,741	1,229,741
कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले परिचालन आधिक्य	**45,440,358**	**172,912,909**
के लिए समायोजन		
विविध देनदारों में (वृद्धि)/कमी	84,617,928	1,240,537
ऋण व अग्रिम में (वृद्धि)/कमी	(448,170,774)	(137,297,261)
स्टाक सूची में (वृद्धि)/कमी	(1,252,678)	-
चालू देयतायों व प्रावधान में वृद्धि/(कमी)	494,334,342	89,400,364
गत अवधि समायोजन से पहले प्रचालन (में उपयोग)/से उत्पन्न नगदी	174,969,177	126,256,549
पूर्व अवधि समायोजन	(8,053,317)	(7,882,647)
कर से पहले गत प्रचालन से उत्पन्न/उपयोग में नकदी	166,915,859	118,373,903
चुकाया गया प्रत्यक्ष कर	-	
प्रचालन गतिविधियों (में उपयोग)/से निवल नगदी	**166,915,859**	**118,373,903**
निवेश गतिविधियों से नगद प्रवाह		
अचल सम्पति की खरीद	(365,633,080)	(733,472,281)
सम्पति की बिक्री	223,871,184	4,220,994
निवेश की बिक्री/खरीद	(15,172)	(33,330)
संयुक्त उद्यम से प्राप्त लाभांश	2,282,000	-
पूंजीगत कार्य प्रगति पर	(481,548,535)	(651,030,750)
अनुसूचित बैंको में जमा परिपक्वता 3 महीने से ज्यादा	379,292,560	232,342,856
प्राप्त ब्याज	367,006,137	759,898,952
निवेश गतिविधियों (में उपयोग)/से निवल नगद	**125,255,094**	**(388,073,558)**
वित्तीय गतिविधियों से नगद प्रवाह		
ब्याज खर्च	(197,482)	(1,232,636)
चिन्हत कोष में वृद्धि/(कमी)	80,000,000	170,000,000
सुरक्षित ऋण में वृद्धि/(कमी)	-	-
असुरक्षित ऋण में वृद्धि/(कमी)	(324,200)	-
वित्तीय गतिविधियों (में उपयोग)/से निवल नगद	**79,478,318**	**168,767,364**
नगद व नगद समान में निवल वृद्धि/कमी	371,649,272	(100,932,292)
वर्ष के आरम्भ में नगद व नगद समान	259,783,974	360,716,266
वर्ष के अंत में नगद व नगद समान	**631,433,245**	**259,783,974**

उक्त तिथि के लिए हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते एस एस कोठारी मेहता एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
(पंजीकरण सं. 000756एन)

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

(पी.एन.सक्सेना)
निदेशक (वित्त)

(देवेश त्यागी)
वरि. निदेशक

(डॉ. ओंकार राय)
महानिदेशक

(सीए नीरज बंसल)
भागीदार
सदस्य संख्या: 095960
स्थान:. नई दिल्ली
दिनांक: 24.09.2018

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियां जो तुलन–पत्र का भाग है –

अनुसूची 1 : सामान्य निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सामान्य निधि		
शेष रकम आगे लायी गयी	7,389,809,615	7,152,372,959
जोड़िए: वर्ष के दौरान वृद्धि	(13,378,406)	237,436,656
घटाइए: वर्ष के दौरान उपयोग/समायोजित किया गया	-	-
कुल	**7,376,431,209**	**7,389,809,615**

अनुसूची 2 : आरक्षित तथा आधिक्य

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आरक्षित पूँजी		
शेष रकम आगे लायी गयी	136,318,566	136,318,566
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्ति	-	-
घटाइए: वर्ष के दौरान उपयोग/समायोजित किया गया	-	-
कुल	**136,318,566**	**136,318,566**

अनुसूची 3 : आवंटित निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सहायतार्थ अनुदान – अपना		
शेष रकम आगे लायी गयी	1,693,009,405	1,523,009,405
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्ति	80,000,000	170,000,000
घटाइए: वर्ष के दौरान उपयोग/समायोजित	-	-
(क)	**1,773,009,405**	**1,693,009,405**
अनुदान – अन्य निकायों के लिए		
शेष रकम आगे लायी गयी	60,000,000	60,000,000
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्ति	-	-
घटाइए: वर्ष के दौरान उपयोग/समायोजित	-	-
(ख)	**60,000,000**	**60,000,000**
कुल (क + ख)	**1,833,009,405**	**1,753,009,405**

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियां जो तुलन–पत्र का भाग है

अनुसूची 4 : अन्तर इकाई लेखा (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
एसटीपीआई–मुख्यालय	2,858,503,625	2,473,062,530
एसटीपीआई–भिलाई	(88,124,811)	(29,407,302)
एसटीपीआई–इन्दौर	(142,827,970)	(138,018,607)
एसटीपीआई–जयपुर	(20,488,137)	(9,846,848)
एसटीपीआई–जोधपुर	21,385,948	22,450,305
एसटीपीआई–मोहाली	(590,737,736)	(634,331,364)
एसटीपीआई–शिमला	8,510,393	8,734,772
एसटीपीआई–श्रीनगर	(102,129,319)	(49,900,004)
एसटीपीआई–जम्मू	3,857,369	4,364,049
एसटीपीआई–बेंगलूरु	(248,298,031)	(253,303,002)
एसटीपीआई–मैसूर	(40,728,428)	(45,137,889)
एसटीपीआई–मणिपाल	-	-
एसटीपीआई–हुबली	(4,444,867)	(6,513,598)
एसटीपीआई–मैंगलुरु	(18,603,884)	(17,546,660)
एसटीपीआई–हैदराबाद	(88,433,671)	(71,803,162)
एसटीपीआई–विजाग	(3,647,813)	(6,107,140)
एसटीपीआई–विजयवाड़ा	(215,888,628)	(156,578,928)
एसटीपीआई–वारंगल	253,734	(822,798)
एसटीपीआई–तिरूपति	1,975,244	(476,641)
एसटीपीआई–काकीनाडा	(3,087,411)	(2,731,086)
एसटीपीआई–नवी मुम्बई	51,099,836	30,043,627
एसटीपीआई–पुणे	35,415,266	15,692,985
एसटीपीआई–औरंगाबाद	471,019	395,863
एसटीपीआई–नागपुर	2,651,568	6,213,478
एसटीपीआई–कोल्हापुर	(8,010,514)	(7,844,388)
एसटीपीआई–नासिक	(1,320,076)	(65,314)
एसटीपीआई–नोएडा	(289,060,726)	(445,880,706)
एसटीपीआई–देहरादून	39,788,728	37,307,055
एसटीपीआई–लखनऊ	825,739	6,025,082
एसटीपीआई–कानपुर	(1,774,538)	(1,364,105)
एसटीपीआई–प्रयागराज	(83,986,106)	(38,489,824)
एसटीपीआई–चेन्नै	174,170,126	138,877,697
एसटीपीआई–कोयम्बटूर	876,988	4,089,819
एसटीपीआई–पुदुच्चेरी	(1,640,559)	(944,995)
एसटीपीआई–त्रिची	1,711,513	2,240,535

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियां जो तुलन–पत्र का भाग है

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
एसटीपीआई–तिरूनेलवेली	(33,762)	(32,716)
एसटीपीआई–मदुरै	(3,397,907)	(2,459,899)
एसटीपीआई–गंगटोक	1,569,503	(226,401)
एसटीपीआई–गुवाहाटी	(125,461,492)	(50,820,842)
एसटीपीआई–इम्फाल	8,311,587	8,507,319
एसटीपीआई–भुवनेश्वर	(313,295,697)	(339,186,170)
एसटीपीआई–दुर्गापुर	8,217,034	8,701,374
एसटीपीआई–कोलकाता	(135,216,255)	(60,187,225)
एसटीपीआई–राउरकेला	8,105,978	29,698,837
एसटीपीआई–खड़गपुर	7,044,967	6,779,367
एसटीपीआई–रांची	(31,036,351)	1,616,436
एसटीपीआई–सिलीगुड़ी	8,568,030	9,261,009
एसटीपीआई–हल्दिया	8,411,839	8,404,048
एसटीपीआई–शिलांग	(2,195,934)	(2,488,695)
एसटीपीआई–पटना	(66,943,791)	(69,039,793)
एसटीपीआई–भिवाड़ी	-	-
एसटीपीआई–तिरुवनंतपुरम	(79,183,123)	(75,754,513)
एसटीपीआई–गांधीनगर	(218,461,701)	(229,505,227)
शाखा पुनर्मिलान	-	-
एसटीपीआई–ब्रह्मपुर	(46,197,777)	(33,773,266)
एसटीपीआई –आइजोल	(7,774,665)	(10,105,495)
एसटीपीआई –अगरतला	(33,749,259)	(31,771,589)
एसटीपीआई –गुरुग्राम	(219,332,900)	-
एसटीपीआई –गोवा	(16,212,197)	-
कुल	-	-

अनुसूची 5 : ऋण निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आरक्षित ऋण		
बैंकों से नकद–उधार	-	-
वित्तीय संस्थानों से	-	-
आरक्षित ऋण पर अर्जित तथा देय ब्याज	-	-
अनारक्षित ऋण		
भारत सरकार से	-	-
राज्य सरकारों से	50,000,000	50,000,000
अन्य संस्थानों तथा एजेंसियों से	7,000,000	7,324,200
अनारक्षित ऋण पर अर्जित तथा देय ब्याज	-	-
	57,000,000	57,324,200
कुल	**57,000,000**	**57,324,200**

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियां जो तुलन–पत्र का भाग है

अनुसूची 6 स्थायी परिसम्पत्तियॉ एवं मूल्यह्रास

(राशि ₹ में)

विवरण	सकलब्लॉक					मूल्यह्रास				निवल खण्ड	
	01.04.2017 को	संयोजन		कटौतियां/ समायोजन	31.03.18 को	01.04.17 को	वर्ष के लिए	समायोजन/पूर्व अवधि मूल्य ह्रास	31.03.18 को	31.03.18 को	31.03.17 को
		180 या उससे अधिक दिनों के लिए	180 से कम दिनों के लिए								
मूर्तसम्पत्तियां											
भूमि											
मुक्तिधारिता	17,041,374	-	-	-	17,041,374	-	-	-	-	17,041,374	17,041,374
पट्टाधारिता	3,085,652	-	-	-	3,085,652	432,311	46,162	-	478,473	2,607,179	2,653,341
भवन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
आवासीय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य	1,382,841,754	425,147,586	5,927,229	150,805,091	1,663,111,478	716,743,303	126,753,155	2,288,124	841,208,334	821,903,143	666,098,451
अस्थायी निर्माण	6,413,904	254,625	2,201,774	-	8,870,303	4,703,176	1,941,960	-	6,645,136	2,225,167	1,710,728
फर्नीचर एवं फिक्सर	244,482,927	2,008,615	5,007,474	10,534,408	240,964,609	165,047,810	12,225,542	10,024,956	167,248,395	73,716,214	79,435,118
विद्युत फिटिंग	171,459,889	37,085,109	3,317,082	41,500,867	170,361,213	58,320,818	20,198,926	4,628,840	73,890,903	96,470,310	113,139,071
एचएसडीसी उपस्कर	1,104,187,542	13,240,670	6,347,298	437,475,130	686,300,380	1,055,939,746	21,445,681	437,248,871	640,136,556	46,163,824	48,247,796
विद्युत उपकरण	563,620,315	62,392,412	4,657,058	59,360,267	571,309,519	288,077,079	48,881,714	24,226,006	312,732,787	258,576,732	275,543,236
कार्यालय उपस्कर	177,988,749	2,588,361	2,173,668	8,968,752	173,782,026	123,375,886	10,469,813	8,465,757	125,379,942	48,402,084	54,612,863
वाहन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार	1,175,040	-	1,382,118	-	2,557,158	439,511	316,799	-	756,310	1,800,848	735,528
अन्य	3,058	-	-	1,508	1,550	3,058	-	1,508	1,550	-	-
कम्प्यूटर एवं उपांत उपस्कर	190,118,272	5,200,624	4,264,757	45,805,933	153,777,720	154,583,210	17,983,852	45,789,265	126,777,796	26,999,924	35,535,062
अग्निशमन उपस्कर	37,541,364	4,587,659	690,452	2,027,656	40,791,820	13,310,229	4,299,362	402,420	17,207,171	23,584,649	24,231,135
अमूर्त सम्पत्तियां	**51,694,745**	**-**	**-**	**-**	**51,694,745**	**35,386,467**	**9,224,849**	**-**	**44,611,316**	**7,083,429**	**16,308,278**
संयत्र व उपकरण	-	-	126,769,323	-	126,769,323	-	10,627,785	-	10,627,785	116,141,538	-
वर्तमान वर्ष का कुल	**3,951,654,586**	**552,505,662**	**162,738,235**	**756,479,612**	**3,910,418,870**	**2,616,362,604**	**284,415,599**	**533,075,748**	**2,367,702,455**	**1,542,716,415**	**1,335,291,982**
पिछला वर्ष	**3,431,318,212**	**63,767,016**	**936,590,393**	**480,021,035**	**3,951,654,585**	**2,901,668,747**	**191,200,171**	**476,506,313**	**2,616,362,605**	**1,335,291,980**	**529,649,465**

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियां जो तुलन–पत्र का भाग है

अनुसूची 7 : कार्यरत पूँजी प्रगति पर

(राशि ₹ में)

विवरण	01.04.2017 को आरंभिक शेष	संयोजन	पूँजीगत/संयोजन	अंत शेष 31.3.2018 को
मूर्त सम्पत्ति				
भूमिः				
मुक्तधारिता	.	.	.	.
पट्टाधारिता	4,016,667	-	-	4,016,667
भवन				
आवासीय	-	-	-	-
अन्य	848,446,764	478,685,153	252,133,916	1,074,998,001
अस्थायी निर्माण	-	-	-	-
फर्नीचर एवं फिक्सर	-	-	-	-
विद्युत स्थापना	20,236,107	-	-	20,236,107
एचएसडीसी उपस्कर	221,218	-	221,218	-
विद्युत उपस्कर	-	-	-	-
कार्यालय उपस्कर	-	-	-	-
कम्प्यूटर तथा उपान्त उपस्कर	18,210,415	-	-	18,210,415
अग्निशमन उपस्कर	-	-	-	-
अमूर्त संपत्तियां	-	-	-	-
मुद्रा परिवर्तन दर में अन्तर	-	-	-	-
संयत्र व उपकरण	97,255,682	-	97,255,682	-
कुल (क)	**988,386,853**	**478,685,153**	**349,610,816**	**1,117,461,190**
निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय	7,630	2,863,383	-	2,871,013
चालू वर्ष का कुल	**988,394,483**	**481,548,536**	**349,610,816**	**1,120,332,203**
पिछला वर्ष	**603,523,564**	**651,200,910**	**266,329,991**	**988,394,483**

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियां जो तुलन–पत्र का भाग है

अनुसूची 8 : निवेश

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
संयुक्त उद्यम में निवेश	24,440,000	24,440,000
सहायक कम्पनियों में निवेश	-	-
भारत सरकार के प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
बाण्ड में निवेश	-	-
अन्य में निवेश	22,548,502	22,533,330
कुल	**46,988,502**	**46,973,330**

अनुसूची 9 : मालसूची

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
भंडार एवं पुर्जे	-	-
एसटीपीआई प्रकाशन/पुस्तकें	-	-
हाथ में सामग्री (पी एम सी)	1,252,678	-
कुल	**1,252,678**	**-**

अनुसूची 10 : खुदरा देनदार

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बकाया राशि 6 महीने से ज्यादा	192,632,624	225,309,216
अन्य बकाया राशि	98,930,461	174,056,199
	291,563,085	**399,365,414**
घटाइए: संदिग्ध–ऋण के लिए प्रावधान	(144,741,750)	(167,926,152)
कुल	**146,821,334**	**231,439,262**

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियां जो तुलन–पत्र का भाग है

अनुसूची 11 : नकद व बैंक में जमा राशि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
उपलब्ध नकद राशि	443	12
फूड वाउचर	2,744	114,175
(क)	**3,187**	**114,187**
अनुसूचित बैंकों के पास शेष रकम		
अनुसूचित बैंक में चालू खाते	-	-
अनुसूचित बैंक के बचत खाते में	605,156,307	243,527,091
अनुसूचित बैंक के ईईएफसी खाता		
अनुसूचित बैंक के जमा खाता में	4,289,008,089	4,668,300,649
हाथ में/पारवहन चेक/डीडी	26,273,751	16,142,693
जमा रकम पर अर्जित ब्याज पर अभी देय नहीं	127,387,070	209,347,432
(ख)	**5,047,825,216**	**5,137,317,865**
कुल (क+ख)	**5,047,828,403**	**5,137,432,052**

अनुसूची 12 : ऋण तथा पेशगियां

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
ऋण (असुरक्षित पर वसूली योग्य समझे गए) :		
कर्मचारीगण	6,614,030	6,475,807
सहायक कंपनियां	-	-
अन्य	-	42,118
(क)	**6,614,030**	**6,517,925**
पेशगियां		
पूर्तिकर्ता एवं ठेकेदारों को	1,704,423,664	1,483,829,572
कर्मचारियों को (ब्याज सहित)	896,040	2,675,877
वसूली योग्य दावे	95,645,310	75,036,276
अन्य	430,353,041	394,162,369
(ख)	**2,231,318,055**	**1,955,704,093**
पूर्व अदायगी व्यय	3,993,038	3,214,632
प्रतिभूति/जमा अग्रिम धन	106,616,444	107,081,768
आयकर पेशगी	2,425,763,598	2,289,279,928
अग्रिम फ्रिंज बेनेफिट कर	-	-
(ग)	**2,536,373,080**	**2,399,576,328**
कुल (क+ख+ग)	**4,774,305,165**	**4,361,798,346**
घटाइए: संदेहात्मक ऋण तथा पेशगियों के लिए (घ)	110,140,956	110,152,077
कुल (क+ख+ग–घ)	**4,664,164,208**	**4,251,646,269**

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियां जो तुलन–पत्र का भाग है

अनुसूची 13 : चालू देयताए

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
खुदरा लेनदार :		
(क) सेवाओं के लिए	88,248,463	78,129,521
(ख) सप्लाई के लिए	34,100,408	28,759,568
(ग) अन्य खर्चों के लिए	35,611,189	44,010,920
	157,960,060	**150,900,010**
ठेकेदारों तथा अन्य से प्राप्त जमानत धन को रखना	272,412,095	160,685,476
ग्राहकों से प्राप्त पेशगीः		
(क) सेवाओं तथा अन्यों के लिए	114,695,073	165,069,698
(ख) परियोजना के लिए	7,359,873	2,378,560
	122,054,946	**167,448,258**
अन्य देयताएं	795,887,459	382,168,959
परियोजना के लिए पेशगी	82,021,922	78,113,396
कुल	**1,430,336,482**	**939,316,099**

अनुसूची 14 : प्रावधान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
फ्रिंज बेनेफिट कर	-	-
आय कर	1,491,100,000	1,491,100,000
कर्मचारियों के लिए लाभ	469,012,739	448,948,961
प्रावधानः अन्य	28,625,505	28,576,405
कुल	**1,988,738,244**	**1,968,625,366**

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियां जो आय व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 15 : प्रचालन आय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सॉफ्ट प्वाइंट	-	-
सॉफ्ट लिंक	198,863,674	170,896,712
सैटेलाइट गेटवे सेवा	14,708,224	18,720,167
सांविधिक प्रभार	957,863,655	887,482,432
परियोजना को पूरा करना, प्रबंधन तथा परामर्श सेवाएं	49,918,965	54,138,995
इंक्यूबेशन आय	190,484,559	154,998,441
अन्य सेवाएं	63,901,732	60,243,620
इंटरनेट टेलीफोनी सेवाएं	-	-
कुल	**1,475,740,809**	**1,346,480,367**

अनुसूची 16 : ब्याज आय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बैंकों के पास जमा राशि से	270,612,854	360,509,293
बैंकों के पास बचत खाते से	12,871,067	21,755,571
भारत सरकार की प्रतिभूति में निवेश से	-	-
बान्ड में निवेश से	-	-
कर्मचारियों को ऋण देने से	308,380	373,367
अन्य से	1,253,474	1,115,302
कुल	**285,045,775**	**383,753,533**

अनुसूची 17 : अन्य आय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सहायतार्थ अनुदान एवं आर्थिक सहायता	-	-
विदेशी मुद्रा के उतार–चढ़ाव से लाभ	82,240	769,705
खाते में प्रतिलेखित पेशगियों का प्रावधान	1,960,497	7,047,525
खाते में प्रतिलेखित खुदरा देनदारों का प्रावधान	13,809,937	7,400,673
खाते में प्रतिलेखित शेष खुदरा जमा शेष	23,991,348	6,036,379
अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान से लाभ	780,594	706,272
निवेश की बिक्री/मोचन से लाभ	-	-
संयुक्त उद्यम से लाभांश	2,282,000	-
सहायक कंपनियों से लाभांश	-	-
अन्यों से लाभांश	-	-
अन्य विविध आय	12,685,418	14,980,647
कुल	**55,592,035**	**36,941,201**

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियां जो आय व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 18 : कर्मचारियों की पारिश्रमिकी तथा लाभ

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
वेतन, मजदूरी तथा अन्य लाभ	688,628,634	591,150,270
भविष्य तथा अन्य निधियों में अंशदान	46,601,707	42,923,171
ग्रेच्युटी निधि में अंशदान	34,517,438	56,138,664
कर्मगारों तथा कर्मचारियों के कल्याणार्थ	20,080,244	18,610,003
कुल	**789,828,022**	**708,822,108**

अनुसूची 19 : बिक्री, प्रशासनिक तथा अन्य व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सामान एवं पुर्जों की खपत	3,702,366	2,593,018
किराया	145,495,034	128,541,831
दर एवं कर	46,717,312	20,059,811
प्रशिक्षण एवं भर्ती	3,842,467	4,790,699
बीमा	1,162,369	921,206
मरम्मत एवं अनुरक्षण – भवन	57,901,570	39,079,657
मरम्मत एवं अनुरक्षण – अर्थ स्टेशन	3,665,769	2,880,064
मरम्मत एवं अनुरक्षण – अन्य	23,529,524	20,642,545
संचार व्यय	10,255,729	10,281,234
यात्रा एवं वाहन व्यय	24,418,973	23,461,281
वाहन चालन एवं किराया प्रभार	23,754,240	22,509,813
सांविधिक लेखा परीक्षकों की अदायगी	1,051,834	1,043,840
विज्ञापन तथा प्रचार व्यय	27,059,354	36,679,214
सुरक्षा व्यय	69,689,284	50,649,695
व्यवसाय संवर्धन	26,628,208	1,770,484
मुद्रण एवं लेखन सामग्री	5,819,541	5,519,197
अखबार, पुस्तकें एवं पत्र पत्रिकाएं	517,384	437,791
बैंक प्रभार	932,758	523,902
बिजली, ईंधन एवं पानी प्रभार	143,577,016	125,935,922
कम्प्यूटर किराया तथा प्रचालन व्यय	1,920,921	1,906,088
विधि शुल्क	1,179,460	195,367
व्यावसायिक एवं परामर्श प्रभार	9,398,314	13,306,438
दान	-	-
विदेशी मुद्रा के उतार–चढ़ाव से हानि	683,595	251,759
अचल सम्पति की बिक्री/निकालने से घाटा	313,274	2,299
निवेश की बिक्री/मोचन पर घाटा	-	-
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	8,293,500	8,121,636
संदेहास्पद अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	-
अप्रचलित स्टॉक के लिए प्रावधान	-	-
बट्टे खाते डाले गए अप्राप्य ऋण	3,207,254	5,308,771
अन्य व्यय	12,069,378	9,518,275
कुल	**656,786,428**	**536,931,836**

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष की अनुसूचियां
जो आय व्यय लेखा का भाग है

अनुसूची 20 : ब्याज एवं वित्त प्रभार

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
भारत सरकार से प्राप्त ऋण पर ब्याज	-	-
बैंकों से लिए गए ऋण पर ब्याज	-	-
वित्तीय संस्थान से लिए गए ऋण पर ब्याज	-	-
विदेशी करेंसी ऋण पर ब्याज	-	-
भारतीय मुद्रा ऋण पर किया गया खर्च	-	-
विदेशी मुद्रा ऋण पर किया गया खर्च	-	-
अन्यों पर ब्याज	2,429,136	1,232,636
कुल	**2,429,136**	**1,232,636**

अनुसूची 21 : पूर्व अवधि का समायोजन

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
पूर्व अवधि का व्यय		
डाटा लिंक प्रभार	229,563	365,519
परियोजना व्यय	4,510,897	-
कर्मचारियों की परिलब्धियों का व्यय	(37,899)	-
मूल्यहास	260,471	1,939,880
संचार व्यय	-	(1,803)
यात्रा एवं परिवहन	89,477	-
जल एवं विद्युत	70,479	67,165
सेवाएं	-	-
ब्याज	-	-
अन्य	7,977,500	4,676,826
	13,100,488	**7,047,587**
पूर्व अवधि से आय		
सेवाएं	(6,182,635)	1,000,724
ब्याज	925,536	(358,850)
अन्य	209,928	193,186
	(5,047,171)	835,060
कुल	**8,053,317**	**7,882,647**

अनुसूची – 22

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुई अवधि के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, जो लेखाओं का भाग है।

1. लेखांकन परिपाटियाँ

(क) लेखा ऐतिहासिक लागत परिपाटी तथा सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतो के अनुसार लेखांकन के अर्जन के आधार पर तैयार किए गए हैं।

(ख) लेखांकन नीतियाँ जिनका विशेष रूप से किसी स्थान पर अन्यत्र उल्लेख नहीं किया गया है, संगतपूर्ण है तथा भारतीय सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन पद्धतियों/सिद्धांतों के अनुरूप हैं, जिसमे अनिवार्य लेखांकन मानकों सहित सिद्धांतों, मार्गदर्शी, टिप्पणियों तथा आईसीएआई द्वारा जारी अन्य घोषणाएं शामिल हैं।

(ग) समग्र प्रभाव के मूर्त न होने के कारण उपभोज्य भंडार सामग्री को व्यय शीर्ष में प्रभारित किया जाता है, चाहे वर्ष तक उनका उपभोग कर लिया गया हो अथवा उन्हें भंडार में ही रखा गया हो।

(घ) तेजी से होने वाले प्रौद्योगिकी परिवर्तनों और अप्रचलन की तेज दर के कारण सॉफ्टवेयर व्ययों को उद्भूत वर्ष में ही माना जाता है।

(ङ) उपभोक्ताओं के स्थलों पर प्रतिष्ठापित रेडियो मास्ट की लागत को उपयोज्य मद होने के कारण व्यय शीर्ष में प्रभारित किया जाता है और इसे ग्राहकों से वसूल किया जाता है और तदनुसार इसे सॉफ्टपॉइंट /सॉफ्टलिंक आय में दर्ज किया गया है।

(च) 5000/– रुपये से कम राशि के पूर्व अवधि व्यय और आय को चालू वित्तीय वर्ष के दौरान संबंधित लेखा शीर्ष में सीधा नामे खाते में डाला/जमा किया जाता है।

2. अनुमानों का प्रयोग

वित्तीय विवरणियाँ तैयार करते समय अनुमानों की जरूरत होती है जिनका प्रभाव उस अवधि के आय तथा व्यय की बताई गई राशि पर पड़ता है, परिसम्पतियों तथा देयताओं के लिए दर्शाई गई राशि तथा आज की स्थिति के अनुसार वित्तीय विवरणियों की आकस्मिक देयताओं का उल्लेख किया जाता है। जिस अवधि में परिणाम का पता लगता है/पूरा हो जाता है उस अवधि में वास्तविक परिणामों तथा अनुमानों के बीच अंतर को माना जाता है।

3. मूल्यह्रास

(क) संयोजन वर्ष में 5000/– रुपये तथा उससे कम की परिसम्पतियों का शत–प्रतिशत की दर से मूल्यहास किया जाता है।

(ख) नीचे दी गयी विनिर्धारित दरों के आधार पर सरल रेखापद्धति के अनुसार अन्य परिसम्पतियों का मूल्यहास किया जाता है।

1.	भवन	10 प्रतिशत
2.	कम्प्यूटर तथा उपांत उपस्कर	25 प्रतिशत
3.	विद्युत स्थापन	15 प्रतिशत
4.	फर्नीचर तथा फिक्सचर	10 प्रतिशत
5.	कार्यालय उपस्कर	15 प्रतिशत
6.	एचएसडीसी उपस्कर	20 प्रतिशत
7.	टॉवर तथा मास्ट	20 प्रतिशत
8.	मोबाईल फोन	25 प्रतिशत
9.	वाहन	20 प्रतिशत
10.	संयंत्र व मशीनरी	30 प्रतिशत

(ग) अमूर्त परिसम्पतियों का अनुमानित लाभप्रद अवधि के आधार पर परिशोधन किया जा रहा है

4. राजस्व मान्यता

(क) वार्षिक सेवा शुल्क वर्ष के आरंभ में अस्थायी रूप से यूनिट के पिछले वर्ष के अनुमानित/वास्तविक निर्यात कारोबार के उच्च स्तर पर लगाया जाता है। वास्तविक आंकड़े प्राप्त होने पर शुल्क में अंतर/परिवर्तन दर्ज किया जाता है।

(ख) स्थान तथा मूलभूत सुविधाएँ मुहैया कराने के लिए मासिक आधार पर शुल्क लगाया जाता है।

(ग) डिबोडिंग अथवा शिथिल ईकाइयों के मामलों में न्यूनतम शुल्क लगाया जाता है और इसे पंजीकरण के समय प्राप्त पेशगी जमा में से समायोजित किया जाता है। इसके बाद शेष पेशगी रकम को न्यूनतम शुल्क से कम होने पर अन्य आय के रूप में माना जाता है।

5. स्थायी परिसम्पत्तियाँ

(क) स्थायी परिसम्पत्तियाँ अधिग्रहण अथवा निर्माण की लागत पर दर्शायी जाती हैं, जिसमे परिसंपत्तियों को उपयोग के लिए इनको कार्यकारी स्थिति में लाने के लिए सभी प्रत्यक्षतः आरोप्य लागत शामिल है।

(ख) प्रचालन पूर्व खर्च को पूंजी में परिणत किया जाता है तथा अभिचालित होने पर विभिन्न परिसम्पत्तियों में संविभाजित किया जाता है।

6. विदेशी मुद्रा का लेन देन

विदेशी मुद्रा के लेन देन बैंक द्वारा निर्दिष्ट औसत दरों पर लेन–देन की अवधि के दौरान दर्ज किए गए हैं। लेखा वर्ष की समाप्ति पर असमायोजित शेष मौजूदा परिसंपत्तियों और देनदारियों का पुनर्मूल्यांकन वर्ष की समाप्ति पर उनके मूल्य दर पर किया जाता है और विनिमय में अंतर को यथास्थिति के अनुरूप उस वर्ष की आय अथवा व्यय माना जाता है।

7. अनुदान

पूँजीगत स्वरूप के सहायता अनुदान को तुलन–पत्र में देनदारियों के रूप में दर्शाया गया है, जबकि राजस्व स्वरूप के सहायता अनुदान को आय और व्यय लेखा में दर्शाया गया है। सहायता अनुदान जब और जैसे प्राप्त होता है, उसे खाते में दर्शाया जाता है।

8. निवेश का लेखांकन

दीर्घावधि निवेश को लागत के आधार पर दर्शाया जाता है। अगर गिरावट अस्थायी नहीं है, तो मूल्यह्रास का प्रावधान लेखांकन मानक–13' निवेश के लिए लेखांकन' के अनुसार किया जाता है।

9. कर्मचारी लाभ

कर्मचारियों के लाभ से संबंधित व्यय तथा देयताओं को संशोधित लेखांकन मानक–15 आईसीएआई द्वारा जारी कर्मचारी लाभ (संशोधित 2005) के अनुसार अंकित किया जाता है।

(क) भविष्य निधि

कर्मचारी के भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि में नियोक्ता के अंशदान को वास्तविक आधार पर खाता में डाला जाता है तथा इसे आय एवं व्यय लेखा में प्रभारित किया जाता है।

(ख) ग्रेच्यूटी (उपदान)

ग्रेच्यूटी सेवा उपरांत एक निश्चित लाभ योजना है। ग्रेच्यूटी के लिए तुलन–पत्र में भावी देयता अमान्य बिमांकिक लाभ अथवा हानि तथा पिछली सेवा लागत का समायोजन सहित योजनागत परिसंपत्तियों के उचित मूल्य को घटा कर तुलन–पत्र की तारीख में विनिर्धारित लाभ/बाध्यता का वर्तमान मूल्य है। अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का इस्तेमाल करते हुए जीवन बीमा निगम द्वारा निश्चित लाभ/बाध्यता की गणना तुलन–पत्र की तारीख अथवा इसके आस–पास के आधार पर किया जाता है।

पिछले अनुभव तथा बिमांकिक लाभ के परिवर्तन से हुई लाभ तथा हानि को जिस वर्ष की लाभ तथा हानि लेखा से संबंधित है, के आय तथा व्यय लेखा में प्रभारित अथवा जमा किया जाता है।

(ग) छुट्टी का नगदीकरण

तुलन–पत्र की तारीख के बाद देय अथवा देय योग्य छुट्टी के नगदीकरण का अनुमान देयता के बारे में अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का इस्तेमाल करते हुए एक स्वतंत्र बिमांकिक द्वारा बिमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

(घ) अन्य अल्पकालीन लाभ

अन्य अल्पकालीन लाभों के व्यय को कर्मचारियों द्वारा की गई सेवाओं के दौरान अदायगी योग्य अवधि के लिए अथवा अदा की गई रकम के आधार पर खाते में दर्ज किया जाता है।

10. पट्टाधारिता

परिसम्पत्ति का पट्टा, जिसके अंतर्गत स्वामित्व का सभी लाभ तथा जोखिम पट्टाकार के पास रहता है,को परिचालन पट्टा के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। प्रचालनपट्टा को प्रभार करारनामे की शर्तों के अनुसार ,जो सोसायटी के लाभ की समय पद्धति का सूचक है,आय तथा व्यय लेखा में व्यय के रूप में दर्ज किया जाता है।

11. आय पर कर

(क) वर्तमान कर का प्रावधान आयकर अधिनियम,1961 के प्रावधानों के अनुसार किया जाना अपेक्षित है।

(ख) भारत के सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखांकन मानक एएस–22 'आय पर कर के लिए लेखांकन' के अनुसार लाभ तथा आय कर लाभ के बीच की अवधि से उत्पन्न आस्थगित कर देयता/परिसंपत्ति को खाते में उस समय के लिए लागू कर की दर के अनुसार को बाद के वर्षों में तय किया जाता है। तथापि वसूली की पर्याप्त/वास्तविक निश्चितता होने पर ही अस्थगित कर परिसंपत्तियों को मान्यता दी जाती है।

12. अमूर्त परिसंपत्तियाँ

एएस– 26 'अमूर्त परिसंपत्तियाँ' में दिए गए सिद्धांतों के अनुसार पहचान योग्य गैर–मुद्रा संबंधी परिसंपत्ति के क्रय एवं विकास पर किए गए पूँजीगत व्यय को, बिना किसी वास्तविक आधार पर सॉफ्टवेयर व्यय को छोड़कर, अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में माना जाता है। इन्हें वर्गीकृत किया जाता है तथा इन्हें स्थायी परिसंपत्तियों की अनुसूची में अलग से दर्शाया जाता है। इनकी अनुमानित कार्यकारी स्थिति तक इन्हें परिशोधित किया जाता है।

13. परिसंपत्तियों की हानि

प्रबंधक–वर्ग समय–समय पर बाहरी एवं आन्तरिक स्रोतों का इस्तेमाल करते हुए, परिसम्पत्तियों की हानि का आकलन करता है। परिसंपत्ति के निरंतर इस्तेमाल और अंततः इसके निपटान के फलस्वरूप भविष्य में होने वाले लेन–देन में दर्ज

मूल्य के वर्तमान मूल्य से अधिक होने पर हानि होती है। हानि पर होने वाले व्यय का निर्धारण परिसंपत्ति के निवल बिक्री मूल्य अथवा यथा निर्धारित वर्तमान मूल्य के अंकित मूल्य से आधिक्य के आधार किया जाता है। तुलन–पत्र की तारीख को ऐसा कोई संकेत होने पर कि आकलित हानि अब नहीं है, तो वसूली योग्य राशि का पुनःआकलन करके परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि को लागत के अधिकतम मूल्यह्रास के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

14. प्रावधान तथा आकस्मिक खर्च

ऐसे किसी पिछले आयोजन, जहां वास्तविक अनुमान लगाया जा सकता है ,के फलस्वरूप अनिश्चित अवधि अथवा राशि के वर्तमान दायित्वों के लिए प्रावधान किया जाता है तथा संभवतः आर्थिक लाभ के लिए स्रोतो की निकासी अपेक्षित होने अथवा राशि का आकलन विश्वसनीय रूप से नहीं कर पाने पर यदि स्रोतो की निकासी से आर्थिक लाभ की संभावना कम नहीं है तो इस दायित्व को आकस्मिक देयता के रूप में दर्शाया जाता है।

संभावित दायित्वों, जिनके मौजूद होने की पुष्टि किसी एक अथवा अधिक अनिश्चित आयोजनों के होने अथवा नहीं होने से ही की जाएगी, को भी स्रोतो की निकासी से आर्थिक लाभ के संभावना कम नहीं होने पर आकस्मिक देयताओ के रूप में दर्शाया जाता है।

15. नगदी व समरूप नगदी

नगदी और समरूप नगदी में बैंक और हाथ में नगदी तथा तीन माह या इससे कम अवधि के अल्पावधि निवेश शामिल है।

अनुसूची-22 क

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए टिप्पणियाँ जो लेखाओं का भाग है

1. विविध देनदारों, विविध लेनदारों तथा संस्था द्वारा दिए गए और लिए गए ऋण और अग्रिम की शेष राशि संबंधित पार्टियों से पुष्टि और लेखाओं के मिलान के अध्यधीन हैं। इस तरह के मिलान से होने वाले समायोजन, यदि कोई, का हो, से, कोई खास वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा।

2. सोसॉयटी के विचार से सभी ज्ञात देयताओं का लेखाओं में पर्याप्त प्रावधान किया है तथा चालू परिसंत्तियों, ऋण तथा पेशागियों को तुलन–पत्र में उल्लिखित कम से कम मूल्य के बराबर सामान्य कारोबार के दौरान वसूली की जा सकती है।

3. (क) सीमा शुल्क विभाग के पास ₹ 61,89,122/– मूल्य की (पिछले वर्ष ₹ 12,38,24,484/–) स्थिर परिसंपत्तियाँ बंधक है।

   (ख) स्थिर परिसंपत्तियों में वे उपस्कर भी शामिल हैं जो पुराने हो गए हैं और 31.03.2018 की स्थिति के अनुसार उपयोग में नहीं आ रहे थे। इन उपस्करों की मूल लागत और बट्टे खाते में उनका मूल्य दिनांक 31.03.2018 को क्रमश ₹ 45,64,74,054/– (गत वर्ष ₹ 68,73,36,498/–) तथा ₹ 73,684/– (गत वर्ष ₹ 21,844/–) था।

4. जारी की गई बैंक प्रतिभूति के लिए ₹ 6,09,64,885/–की सावधि जमा (गत वर्ष ₹ 6,11,55,075/–) बैंक के पास धारणाधिकार में है।

5. (क) हैदराबाद स्थित उद्भवन केन्द्र भवन, जिसे पूंजीकृत किया गया /इस्तेमाल योग्य बनाया गया /विकासकर्ता को समानुपात शेयर वर्ष 2009–10 के दौरान हस्तांतरित कर दिया गया था, को वर्ष 2010–11 के दौरान खातों में दर्ज कर दिया गया है। भूमि का 61 प्रतिशत अंश जिसका मूल्य ₹ 78,29,533/– है, जो कि विकासकर्ता के अंश का भाग है, विधिक औपचारिकता का मामला लंबित होने के कारण अभी तक विकासकर्ता को नहीं दिया गया है। मध्यस्थ द्वारा निर्णय एसटीपीआई के पक्ष में दिया गया है परंतु विकासकर्ता ने अतिरिक्त मुख्य जज, सिटी सिविल कोर्ट, हैदराबाद में अपील दायर की है और मामला सिटी सिविल कोर्ट में विचाराधीन है।

   (ख) एसटीपीआई ने ईआरपी के कार्यान्वयन के लिए अनुबंध प्रदान किया था, लेकिन कार्यान्वयन में देरी और समझौते के अनुसार कार्य निष्पादन नहीं होने के कारण, एसटीपीआई ने अनुबंध समाप्त कर दिया है और वसूली के लिए दावा किया है। चुंकि मध्यस्थता की कार्यवाही चल रही है अतः 1,82,10,415/ – ₹ का प्रावधान कार्य प्रगति पर दर्शाते हुए किया गया है।

   (ग) एसटीपीआई ने एसटीपीआई के कंप्यूटरीकरण का अनुबंध प्रदान किया था,किन्तु सिस्टम इंटेग्रेटर अनुबंध दायित्वों के निर्वहन में असफल रहा और इसलिए ₹ 1,70,84,658/– की राशि का पीबीजी जब्त कर लिया गया और उसे वर्तमान दायित्वों के रूप में दिखाया गया है।

   वीसी उपस्करों के व्यापक वार्षिक रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान किया गया था किन्तु एसएलए मानदंडों के उल्लंघन के कारण,सेवा अनुबंध के अनुसार ₹ 93,158/– के पीबीजी को भी जब्त कर लिया गया है।

6. ₹ 4,21,45,016/—के लेखाओं की कथित दुर्विनियोग/गबन रकम के बारे में दायर दीवानी/आपराधिक मामला अभी भी निर्णय के लिए सक्षम न्यायालय में लंबित पड़ा है। फिर भी इस रकम के लिए प्रावधान कर दिया गया है।

7. दूरसंचार विभाग ने बेतार आयोजना समन्वय (डब्ल्यूपीसी) के बेतार दूर संचार लाइसेंस शुल्क की मद में 31 दिसम्बर, 2004 तक के लिए ₹ 6,30,20,500/— की माँग की है। एसटीपीआई ने केन्द्रों में वास्तविक इस्तेमाल के अनुसार तैयार की गई राशि के आधार पर खाते में ₹ 5,60,97,607/— का व्यय दर्ज किया है। दूरसंचार विभाग मे साथ इस बारे में लेखाओं का मिलान किया जा रहा है। समायोजन (यदि कोई हो) के लिए लेखाओं के मिलान पश्चात प्रावधान किए जाएंगे। 01. 01.05 से 31.03.2018 की अवधि के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया।

8. वित्त वर्ष में लेखा परीक्षक को दिया गया/देय पारिश्रमिक **(राशि ₹ में)**

विवरण	2017-18	2016-17
लेखा परीक्षा शुल्क	650,000/-	650,000/-

9. (क) वर्तमान कर:

संस्था आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12, के तहत पंजीकृत है और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 11 के तहत छूट का दावा कर रही है।निर्धारण वर्ष 2006—07, 2007—08 और 2008—09 के लिए आयकर अपीलीय अधिकरण,दिल्ली के हाल के आदेशों में, आयकर अपीलीय अधिकरण ने भी आयकर अधिनियम 1961 की धारा 11 के तहत एसटीपीआई की छूट के दावे को स्वीकार किया है। तदनुसार संस्था ने वित्त वर्ष 2014—15 से कोई प्रावधान नहीं किया है।

(ख) आस्थगित परिसंपत्तियाँ/देयताएं

पैरा 9 (क) के अनुसार संस्था को टैक्स में छूट होने के कारण आस्थागित कर नहीं दर्शाया गया है क्योकि संस्था नहीं मानती है कि चालू वर्ष की छूट भविष्य में बदल सकती है। विगत वर्षो की कर देयताओं को समान मूल्य पर आगे ले जाया गया है और उचित समय में इसे बटटे खाते में डाला जाएगा **(राशि ₹ में)**

विवरण	01.04.2017 के अनुसार शेष	31.03.2018 के अनुसार शेष
आस्थगित कर परिसंपत्तिया		
मूल्यह्रास	7,87,42,502	7,87,42,502
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	9,46,76,217	9,46,76,217
छुट्टी नगदीकरण	3,20,96,573	3,20,96,573
ग्रेच्यूटी	3,36,57,399	3,36,57,399
धारा 40 (क) के अनुसार अस्वीकृत	1,17,449	1,17,449
धारा 43 'ख' के अनुसार अस्वीकृत	84,152	84,152
निवल आस्थगित कर परिसम्पत्तियाँ	**23,93,74,292**	**23,93,74,292**

10. लेखांकन मानक–15 'कर्मचारियों को लाभ'

संस्था ने 'कर्मचारियों को दिये जाने वाले लाभ' संशोधित लेखांकन मानक–15 स्वीकार किया है।

सुनिश्चित अंशदान योजना

वर्ष के दौरान व्यय के रूप में मानी गई सुनिश्चित अंशदान योजना में अंशदान नीचे दिए अनुसार है:–

भविष्य निधि में नियोक्ता का अंशदान ₹ 4,34,80,623/– (पिछला वर्ष ₹ 2,80,46,465/–)

सुनिश्चित लाभ योजना

कर्मचारियों की ग्रेच्यूटी निधि योजना एक निश्चित लाभ योजना है। देयताओं के वर्तमान मूल्य को अनुमानित इकाई जमा प्रणाली का प्रयोग करके बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निर्धारित किया जाता है जिसमे यह माना जाता है कि प्रत्येक सेवा अवधि से कर्मचारी की लाभ पात्रता में एक अतिरिक्त इकाई की वृद्धि होती है और देयताओं का अंतिम रूप से निर्धारण करते समय ऐसी प्रत्येक इकाई की अलग–अलग गणना की जाती है। छुट्टी नगदीकरण की देयताओं के लिए भी ग्रेच्यूटी की ही पद्धति अपनाई जाती है।

ग्रेच्यूटी

1. सुनिश्चित लाभ योजना देयताओं के आरंभिक और इतिशेष का मिलान (राशि ₹ में)

विवरण	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14
वर्ष के आरम्भ में सुनिश्चित लाभ दायित्व	20,08,89,466	13,69,16,198	12,40,10,020	9,90,21,473	7,64,19,297
वर्तमान सेवा लागत	1,91,46,701	1,67,45,643	1,18,93,629	1,15,99,446	97,98,873
ब्याज लागत	1,51,47,066	1,03,23,481	99,20,802	79,21,718	64,95,640
बीमांकिक (लाभ) /हानि	(75,66,495)	3,69,04,144	(61,16,161)	1,01,83,602	79,52,652
अदा किया लाभ	(7,14,755)	-	(27,92,092)	(47,16,219)	(16,44,989)
विगत सेवा लागत	1,65,43,523	-	-	-	-
वर्ष के अंत में सुनिश्चित लाभ दायित्व	**24,34,45,506**	**20,08,89,466**	**13,69,16,198**	**12,40,10,020**	**9,90,21,473**

2. योजना परिसम्पत्तियों के वास्तविक मूल्य के आरंभिक और इतिशेष का मिलान (राशि ₹ में)

विवरण	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14
वर्ष के आरम्भ में योजना परिसम्पत्तियों का वास्तविक मूल्य	11,09,76,830	9,78,77,487	9,30,41,194	6,40,80,992	5,63,86,168
अनुमानित लाभ	83,78,751	73,89,750	76,28,385	62,22,868	38,06,066
बीमांकिक लाभ /(हानि)	11,73,657	12,09,657	-	-	2,42,338
नियोक्ता द्वारा अंशदान	1,02,71,658	44,99,936	-	2,74,53,553	52,91,409
अदा किये गये फायदे	(7,14,755)	-	(27,92,092)	(47,16,219)	(16,44,989)
अदायगी लागत	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में योजना परिसम्पत्तियों का वास्तविक मूल्य	13,00,86,141	11,09,76,830	9,78,77,487	9,30,41,194	6,40,80,992
योजना सम्पत्तियों का वास्तविक लाभ	**95,52,408**	**73,89,750**	**76,28,385**	**62,22,868**	**40,48,404**

3 तुलन–पत्र में मान्य धनराशि का पुनर्मिलान

(राशि ₹ में)

विवरण	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14
वित्तीय वर्ष के अंत में योजना परिसम्पत्तियों का वास्तविक मूल्य	13,00,86,141	11,09,76,830	9,78,77,487	9,30,41,194	6,40,80,992
वित्तीय वर्ष के अंत में देयताओं का वर्तमान वास्तविक मूल्य	24,34,45,506	20,08,89,466	13,69,16,198	12,40,10,020	9,90,21,473
तुलन–पत्र में स्वीकृत निवल परिसम्पत्ति/(देयताएँ)	**(11,33,59,365)**	**(8,99,12,636)**	**(3,90,38,711)**	**(3,09,68,826)**	**(3,49,40,481)**

4. वर्ष के दौरान स्वीकृत व्यय (कर्मचारियों की पारिश्रमिकी और लाभ शीर्ष के तहत)

(राशि ₹ में)

विवरण	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14
वर्तमान सेवा लागत	1,91,46,701	1,67,45,643	1,18,93,629	1,15,99,446	97,98,873
ब्याज लागत	1,51,47,066	1,03,23,481	99,20,802	79,21,718	64,95,640
योजना सम्पतियों पर अनुमानित लाभ	(83,78,751)	(73,89,750)	(76,28,385)	(62,22,868)	(38,06,066)
विगत सेवा लागत	1,65,43,523	-	-	-	-
अवधि के दौरान मान्य शुद्ध बीमांकिक (लाभ)/ हानि	(87,40,152)	3,56,94,487	(61,16,161)	1,01,83,602	77,10,314
आय एवं व्यय लेखा विवरण में मान्य व्यय	**3,37,18,387**	**5,53,73,861**	**80,69,886**	**2,34,81,898**	**2,01,98,761**

5. मुख्य बीमांकिक मान्यताएं

(राशि ₹ में)

विवरण	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14
मृत्युदर सारणी (एलआईसी)	आईएएलएम (2006 - 08)	आईएएलएम (2006-08)	आईएएलएम (2006-08)	आईएएलएम (2006-08)	आईएएलएम (2006-08)
31 मार्च की स्थिति के अनुसार कटौती दर	7.71%	7.54%	8.00%	8.00%	8.50%
भावी वेतन वृद्धि	8.00%	8.00%	8.00%	8.00%	8.00%
योजना परिसम्पत्तियों पर अनुमानित लाभ दर	7.55%	7.55%	8.00%	8.00%	6.75%
सेवानिवृत्ति उम्र	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष
आहरण दर					
आयु					
30 वर्ष तक	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%
44 वर्ष तक	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
44 वर्ष से अधिक	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%

6. योजना परिसंपत्तियों पर वास्तविक लाभ

(राशि ₹ में)

विवरण	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14
योजना परिसम्पत्तियों पर अनुमानित लाभ	83,78,751	73,89,750	76,28,385	62,22,868	38,06,066
बीमांकिक लाभ/(हानि)	11,73,657	12,09,657	-	-	2,42,338
योजना परिसम्पत्तियों पर वास्तविक लाभ	**95,52,408**	**85,99,407**	**76,28,385**	**62,22,868**	**40,48,404**

छुट्टी नकदीकरण

1. सुनिश्चित लाभ योजना देयताओं के आरंभिक और इतिशेष का मिलान (राशि ₹ में)

विवरण	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14
वर्ष के आरंभ में सुनिश्चित लाभ दायित्व	17,42,69,820	12,52,63,084	11,06,60,839	9,44,29,461	7,62,21,737
वर्तमान सेवा लागत	1,82,84,767	1,58,27,774	1,17,47,835	1,10,57,619	1,00,71,920
ब्याज लागत	1,31,39,944	94,44,837	88,52,867	75,54,357	64,78,848
बीमांकिक (लाभ)/हानि	1,28,04,944	3,24,83,997	37,37,395	1,04,93,825	90,09,974
अदा किया गया लाभ	(1,23,18,293)	(87,49,872)	(97,35,852)	(1,28,74,423)	(73,53,018)
विगत सेवा लागत	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में सुनिश्चित लाभ दायित्व	**20,61,81,182**	**17,42,69,820**	**12,52,63,084**	**11,06,60,839**	**9,44,29,461**

2. तुलन–पत्र में मान्य धनराशि का मिलान (राशि ₹ में)

विवरण	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14
वित्त वर्ष के अंत में योजना परिसम्पति का सही मूल्य	-	-	-	-	-
वित्तीय वर्ष के अंत में देयताओं का वर्तमान वास्तविक मूल्य	20,61,81,182	17,42,69,820	12,52,63,084	11,06,60,839	9,44,29,461
तुलन–पत्र में स्वीकृत निवल परिसम्पत्ति/(देयताएं)	**(20,61,81,182)**	**(17,42,69,820)**	**(12,52,63,084)**	**(11,06,60,839)**	**(9,44,29,461)**

3. वर्ष के दौरान स्वीकृत व्यय (कर्मचारियों की पारिश्रमिकी और लाभ शीर्ष के तहत) (राशि ₹ में)

विवरण	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14
वर्तमान सेवा लागत	1,82,84,767	1,58,27,774	1,17,47,835	1,10,57,619	1,00,71,920
ब्याज लागत	1,31,39,944	94,44,837	88,52,867	75,54,357	64,79,848
योजना परिसम्पति से अपेक्षित प्रतिलाभ	-	-	-	-	-
विगत सेवा लागत	-	-	-	-	-
अवधि के दौरान मान्य शुद्ध बीमांकिक (लाभ)/ हानि	1,28,04,944	3,24,83,997	37,37,395	1,04,93,825	90,09,974
आय एवं व्यय लेखा विवरण में मान्य व्यय	**4,42,29,655**	**5,77,56,608**	**2,43,38,096**	**2,91,05,801**	**2,55,60,742**

4. मुख्य बीमांकिक मान्यताएं (राशि ₹ में)

विवरण	2017-18	2016-17	2015-16	2014-15	2013-14
मृत्युदर सारणी (एलआईसी)	आईएएलएम (2006 - 08)	आईएएलएम (2006-08)	आईएएलएम (2006-08)	आईएएलएम (2006-08)	आईएएलएम (2006-08)
31 मार्च की स्थिति के अनुसार कटौती दर	7.71%	7.54%	8.00%	8.00%	8.50%
भावी वेतन वृद्धि	8.00%	8.00%	8.00%	8.00%	8.00%
योजना परिसम्पति से अपेक्षित प्रतिलाभ	-	-	-	-	-
सेवानिवृत्ति उम्र	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष	60 वर्ष
आहरण दर					
आयु					
30 वर्ष तक	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%	3.00%
44 वर्ष तक	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
44 वर्ष से अधिक	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%	1.00%

बीमांकिक मूल्यांकन में वेतन में वृद्धि दर का अनुमान लगाया जाता है, जिसमें मूल्य वृद्धि दर, वरिष्ठता, पदोन्नति के साथ–साथ रोजगार बाजार में माँग और आपूर्ति जैसे सुसंगत कारकों पर ध्यान दिया जाता है। बिमांकिक द्वारा छुट्टी नगदीकरण, ग्रेच्यूटी प्रमाणित किया जाता है।

11. निकायः संयुक्त रूप से नियंत्रित

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (तत्कालीन सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) भारत सरकार के अनुमोदन से एसटीपीआई ने इंडिया डॉट इन पोर्टल और संबंधित सेवाओं के कार्यान्वयन के लिए एमटीएनएल के साथ दिनांक 03.02.2006 को संयुक्त उद्यम के रूप में एक कंपनी का गठन किया। तद्नुसार, कंपनी का नाम एमटीएनएल–एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लि. रखा गया। यह कंपनी 5,000 लाख रुपये की अधिकृत शेयर पूँजी से जो 10 रुपये प्रति शेयर मूल्य के 500,00,000 शेयरों में विभाजित करके निगमित की गई, इन शेयरों को एसटीपीआई और एमटीएनएल ने बराबर मात्रा में खरीदा है। कंपनी रजिस्ट्रार ने इस संबंध में दिनांक 31.03.2006 को निगमन प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। संगम ज्ञापन के अनुसरण में संस्था से प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से 10 रुपये मूल्य के प्रति शेयर की दर से 22,82,000 शेयरों की खरीद की है तथा वर्ष के दौरान तुलन–पत्र की तारीख तक इन्हें दिखाया गया है।

नाम	हित स्वामित्व	
	31.03.2018	31.03.2017
एमटीएनएल–एसटीपीआई आईटी सर्विसेज लि.	50 %	50 %

एएस–27 के अनुसार "संयुक्त उद्यम में हितों का वित्तीय रिपोर्टिंग" के अनुरूप संयुक्त नियंत्रित निकाय की परिसंपत्तियों, दायित्वों, आय, व्यय, आकस्मिक देयताओं और पूँजीगत प्रतिबद्धताओं में संस्था की अधिभागिता इस प्रकार हैः

(राशि ₹ में)

	विवरण	31.03.2018	31.03.2017
i)	**परिसंपत्तियाँ**		
	स्थायी परिसंपत्तियाँ		
	मूर्त परिसंपत्तियाँ	39,85,544	51,27,611
	आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	6,42,052	5,85,189
	दीर्घावधि ऋण व अग्रिम	151	53,801
	चालू परिसंपत्तियाँ	4,08,73,532	3,54,73,132
ii)	**देयताएं**		
	चालू देयताएं	1,54,93,420	59,28,842
iii)	**आय**	2,89,31,609	2,69,86,659
iv)	**व्यय**	1,72,37,465	1,67,86,547
v)	**आकस्मिक देयताएं**	6,49,25,341	6,49,25,341

12. संस्था केवल एक ही लक्ष्य यथा आईटी तथा आईटीईएस उद्योग के संवर्धन पर कार्य करती है।

13. चालू वर्ष में मूल्यहास के पश्चात एसटीपीआई को घाटा हुआ है और आने वाले वर्षों में भवनों/इन्क्यूबेशन परियोजनाओं के पूंजीकरण के कारण और कर्मचारियों के वेतन और लाभ तथा बिक्री, प्रशासन और संस्था के अन्य परिव्यय पर उत्तरवर्ती प्रभाव के कारण यह घाटा तीन से पाँच वर्षों तक कायम रहेगा। हालांकि यह गिरावट अस्थायी स्वरूप की है।

14. **आकस्मिक देयताएं** **(राशि ₹ में)**

	विवरण	2017-18	2016-17
(क)	पूंजीलेखा में अनुभव के शेष अनुमानित रकम को पूरा किया जाना है जिनका प्रावधान नहीं किया गया	1,76,50,68,909	2,21,63,71,852
(ख)	बकाया बैंक गारंटी	22,94,978	46,74,669
(ग)	कंपनी के विरुद्ध दावे/विवादित देयताएँ जिनको ऋण नहीं माना गया है।		
i)	बिक्री कर/वैट/प्रवेश कर मामले	33,50,683	33,05,947
ii)	सेवा कर मामले	5,94,32,773	5,94,32,773
iii)	सीमा शुल्क मामले	-	8,80,000
iv)	वीसैट सेवायें	36,50,86,773	36,50,86,773
v)	आईएसपी–आईटी के संदर्भ में डॉट लाईसेंस फीस	28,26,45,065	30,33,22,811

(घ) आयकर विभाग ने निर्धारण वर्ष 2009–10 से 2014–15 के लिए मांग पत्र भेजा है। मामलों की वर्तमान स्थिति नीचे दिए अनुसार है:

निर्धारण वर्ष	मांग की गयी (राशि ₹ में)	किस विभाग में मामला लम्बित पड़ा है।
2009-10	27,53,944	सीआईटी (अपील) ऑर्डर के खिलाफ एसटीपीआई ने आईटीएटी में अपील दायर की है।
2010-11	4,85,01,470	सीआईटी (अपील) ऑर्डर के खिलाफ एसटीपीआई ने आईटीएटी में अपील दायर की है।
2011-12	67,46,510	सीआईटी (अपील) ऑर्डर के खिलाफ एसटीपीआई ने आईटीएटी में अपील दायर की है।
2013-14	8,80,12,937	एसटीपीआई ने सीआईटी–(अपील) में अपील दायर की है।
2014-15	31,35,88,480	एसटीपीआई ने सीआईटी–(अपील) में अपील दायर की है।

अपीलीय प्राधिकारी के निर्णय के आधार पर तथा संस्था के अन्य संबंधित प्रावधानों की व्याख्या को ध्यान में रखते हुए संस्था का मत है कि मांग–पत्र रद्द किया जा सकता है। तदनुसार इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

15. **निम्नलिखित मामलों में पट्टाधारी दस्तावेजों पर कार्रवाई की जानी है:**

केन्द्र का नाम	कार्य	मूल लागत	डब्ल्यू डी वी
लखनऊ	भूमि तथा भवन	1/–रु0 प्रति वर्ष	शून्य
आइजोल	भूमि तथा भवन	1/–रु0 प्रति वर्ष	शून्य
इम्फाल	भूमि तथा भवन	1/–रु0 प्रति वर्ष	शून्य
शिलांग	भूमि तथा भवन	1/–रु0 प्रति वर्ष	शून्य
राउरकेला	भूमि तथा भवन	1/–रु0 प्रति वर्ष	शून्य

16. चालू वर्ष के आंकड़ों से तुलना योग्य बनाने के लिए आवश्यक होने पर विगत वर्ष के आंकड़ों को पुनर्गठित या पुनः वर्गीकृत किया गया है।

सभी आँकडों को निकटतम रुपये में दर्शाया गया है।

अनुसूची 1 से 22 'क' पर पहचान के लिए हस्ताक्षर।

कृते एस एस कोठारी मेहता एंड कम्पनी
सनदी लेखाकार
(पंजीकरण सं. 000756एन)

कृते सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

(पी.एन.सक्सेना)
निदेशक (वित्त)

(देवेश त्यागी)
वरि. निदेशक

(डॉ. ओंकार राय)
महानिदेशक

(सीए नीरज बंसल)
भागीदार
सदस्य संख्या: 095960
स्थान:. नई दिल्ली
दिनांक: 24.09.2018

सूचना का अधिकार

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया, सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 2 (एच) के अंतर्गत लोक प्राधिकारी है। महानिदेशक, प्रथम अपीलीय प्राधिकारी एवं वरिष्ठ निदेशक, मुख्य लोक सूचना अधिकारी के अतिरिक्त विभिन्न एसटीपीआई क्षेत्राधिकार में 9 सहायक लोक सूचना अधिकारी नामित किए गए हैं। इसके अतिरिक्ति, एसटीपीआई, नई दिल्ली में एक आरटीआई सेल कार्य कर रहा है। यह सेल आरटीआई के अंतर्गत आवेदन को हार्ड कॉपी के रूप में और आरटीआई वेब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त करता है और आवेदनकर्ता को मांगी गयी अनुज्ञेय सूचना प्रदान करता है। सेल का उत्तरदायित्व है कि वह केन्द्रीय सूचना आयोग को अधिनियम में उल्लिखित उपबंधों के अनुसार अपेक्षित विवरणियां भी प्रस्तुत करे।

1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 तक आरटीआई सेल में प्राप्त आवेदनों/अपील की संख्या निम्न प्रकार

प्राप्त आरटीआई आवेदनों की संख्या	निपटाए गए आरटीआई आवेदनों की संख्या	लंबित
107	105	02
प्राप्त आरटीआई अपील की संख्या	**निपटाई गई आरटीआई अपील की संख्या**	**लंबित**
13	13	0

एसटीपीआई केन्द्रों तथा उपकेन्द्रों के नाम तथा पते

1. **अगरतला**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मुकुट बिपानी बिटान, दूसरी मंजिल, लिचु बगान,
अगरतला – 799010 (त्रिपुरा)
टेलीफोनः + 381–2416005
फैक्सः + 381–2416005
ई–मेलः agtl.info@stpi.in
वेबसाईटः www.guwahati.stpi.in

2. **औरंगाबाद**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट नं. टी 25 एमआईडीसी, चिकलथाना,
गरवारे स्टेडियम के पास
औरंगाबाद–431210 (महाराष्ट्र)
टेलीफोनः + 91–240–2473859
फैक्सः +91– 240–2473860
ई–मेलः praful.patinge@stpi.in
वेबसाईटः www.mah.stpi.in

3. **इन्दौर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एमपीएसईडीसी एसटीपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्पलेक्स,
परदेसी पुरा, इन्दौर – 452010 (मध्य प्रदेश)
टेलीफोनः + 91–731–4024440
फैक्सः +91–731–40230880
ई–मेलः ravi.varma@stpi.in
वेबसाईटः www.noida.stpi.in/p-ind

4. **इम्फाल**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मंत्रीपुखरी, इम्फाल पूर्व – 795001 (मणिपुर)
टेलीफोनः + 91–385–2421221
फैक्सः + 91–385–2423237
ई–मेलः impl.info@stpi.in
वेबसाईटः www.guwahati.stpi.in

5. **आइजोल**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
दूसरी मंजिल, सीएच. चूंगा बस टर्मिनल बिल्डिंग, थुमपुई,
आइजोल–796017 (मिजोरम)
टेलीफोन : + 0389–2350337
फैक्सः + 0389–2350337
ई–मेलः azl.info@stpi.in
वेबसाईटः www.guwahati.stpi.in

6. **काकीनाड़ा**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
कलेक्ट्रेट कम्पाउंड,
काकीनाड़ा–533004 (आंध्र प्रदेश)
टेलीफोनः + 91–884–6660111
फैक्सः + 91–884–6660112
ई–मेलः malleh.av@stpi.in
वेबसाईटः www.hyd.stpi.in

7. **कानपुर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
यूपीएसआईडीसी कॉम्पलेक्स, ए–1/4, लखनपुर,
कानपुर – 208024 (उत्तर प्रदेश)
टेलीफोनः + 91–512–2580176
फैक्सः + 91–512–2584765
ई–मेलः knp.info@stpi.in
वेबसाईटः www.noida.stpi.in/p-knp

8. **कोयम्बटूर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एसएफ न. 333/1, भूमि तल,
कुमारगुरू कॉलेज टेक्नोलॉजी कैम्पस, चीन्नावेदमपट्टी,
कोयम्बटूर – 641006 (तमिलनाडु)
फोनः +91–422– 2669682
फैक्सः
ई–मेलः rameshy@stpi.in
वेबसाईटः www.chennai.stpi.in

9\. **कोलकाता**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
डब्ल्यूईबीईएल एसटीपी–II, दूसरी मंजिल,
ब्लॉक डीएन, प्लॉट न. 53, सैक्टर – V, साल्ट लेक,
कोलकाता – 700091 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोन: +91–33–23673598/99
फैक्स: +91–33–23673597
ई–मेल: kol.info@stpi.in
वेबसाईट: www.kol.stpi.in

10\. **कोल्हापुर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
यलम्मा मंदिर के पीछे,
जयप्रभा स्टूडियो के सामने
आईटी पार्क, कोल्हापुर – 416012 (महाराष्ट्र)
टेलीफोन : + 91 – 231–2644429
फैक्स : + 91 – 231–2644429
ई–मेल: sachin.narule@stpi.in
वेबसाईट: www.mah.stpi.in

11\. **खड़गपुर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
डब्ल्यूबीआईआईडीसी औद्योगिक विकास केंन्द्र,
प्लॉट सं0 3, सेक्टर – बी,
नीमपुरा, जिला– पश्चिम मेदिनीपुर,
खड़गपुर – 721301 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोन: + 91–3222–234436/233014
फैक्स +
ई–मेल: kharagpur.oic@stpi.in
वेबसाईट: www.kol.stpi.in

12\. **गंगटोक**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
ऊपरी मंजिल, सिक्किम ज्वैल्स लि. कॉम्पलेक्स,
राष्ट्रीय राजमार्ग– 31 ए, तादोंग,
गंगटोक – 737102 (सिक्किम)
टेलीफोन: + 91–3592–271193,
फैक्स: + 91–3592–271193
ई–मेल: gtk.info@stpi.in
वेबसाईट: www.guwahati.stpi.in

13\. **गांधीनगर**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
नौवीं मजिल, जीआईएफटी टॉवर, ब्लॉक –56, जोन–5,
जीआईएफटी सिटी
गांधी नगर – 382009 (गुजरात)
टेलीफोन: + 91–79–66748531 ध्632
फैक्स: +91–79–66748533
ई–मेल: gnr.info@stpi.in
वेबसाईट: www.gnr.stpi.in

14\. **गुरूग्राम**
प्रभारी अधिकारी
प्लॉट नं. 30 इलेक्ट्रॉनिक सिटी
सेक्टर 18, गुरूग्राम–122015 (हरियाणा)
टेलीफोन: + 91–124–2455050
फैक्स: +
ई–मेल: rajneesh@stpi.in
वेबसाईट: www.noida.stpi.in

15\. **गुवाहाटी**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एलजीबीआई एयरपोर्ट के पास, बोरझार,
गुवाहाटी – 781015 (असम)
टेलीफोन: + 91–361–2841269, 2841374
फैक्स: + 91–361–2842657
ई–मेल: guw.info@stpi.in
वेबसाईट: www.guwahati.stpi.in

16\. **ग्वालियर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
गांव गंगा मंलानपुर, मोरेना लिंक रोड,
ग्वालियर–474005 (मध्य प्रदेश)
टेलीफोन : +91–0751–2820405
फैक्स: +91–0751–4030880
ई–मेल: ravi.varma@stpi.in
वेबसाईट: www.noida.stpi.in

17\. **चेन्नै**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
नं. 5, तीसरी मंजिल, राजीवगांधी सलाई,
तारामणी, चेन्नै–600113 (तमिलनाडु)
टेलीफोन: + 91–44–22541202, 39103525
फैक्स: + 91–44–39103505
ई–मेल: sanjay.tyagi@stpi.in
वेबसाईट: www.chennai.stpi.in

18\. **जम्मू**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
ई.पी.आई.पी करथौली, बड़ी ब्रहामणा,
जम्मू –181133 (जम्मू व कश्मीर)
टेलीफोन: +91–191–2300381
फैक्स : +91–191–2300500
ई–मेल: asim.khan@stpi.in
वेबसाईट: www.noida.stpi.in/p-sgr

19. **जयपुर**

प्रभारी अधिकारी

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
आईटी–21, आईटी पार्क, ईपीआईपी,
सीतापुर, इंडस्ट्रीयल एरिया,
जयपुर – 302022 (राजस्थान)
टेलीफोन: + 91–141–2770891/92
फैक्स: + 91–141–2770890
ई–मेल: avadesh.srivastav@stpi.in
वेबसाईट: www.noida.stpi.in/p-jpr

20. **जोधपुर**

प्रभारी अधिकारी

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
साइबर–1, साईबर पार्क,
भारी औद्योगिक क्षेत्र,
सरस डेयरी के निकट,
जोधपुर – 342003 (राजस्थान),
टेलीफोन: + 91–291–2002116
फैक्स : + 91–291–2002116
ई–मेल: avadesh.srivastav@stpi.in
वेबसाईट: www.noida.stpi.in/p-jdr

21. **तिरूनेलवेली**

प्रभारी अधिकारी

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
41–डी, वसन्तपुरम साउथ स्ट्रीट
बाईपास रोड, तिरूनेलवेली – 627005 (तमिलनाडु)
टेलीफोन: 09994359819
फैक्स: 044–3910505
ई–मेल : vganapathi@stpi.in
वेबसाईट: www.chennai.stpi.in

22. **तिरूपति**

प्रभारी अधिकारी

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सर्वे सं. 234, अर्बन हाट के पीछे, सिरूचनूर रोड,
तिरूपति – 517503 (आंध्र प्रदेश)
टेलीफोन: + 91–877–2239262
फैक्स: + 91–877–2239262
ई–मेल: varaprsad.y@stpi.in
वेबसाईट: www.hyd.stpi.in

23. **तिरूवनंतपुरम**

निदेशक

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सी.21, तेजस्विनी भवन, टेक्नोपार्क,
तिरूवनंतपुरम – 695581 (केरल)
टेलीफोन: + 91–471–2700404/607/707/807
फैक्स: + 91–471–2700505
ई–मेल: tvpm.do@stpi.in
वेबसाईट: www.tvpm.stpi.in

24. **त्रिची**

प्रभारी अधिकारी

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
बी–9, लाइट इंजिनियरिंग शेड
त्रिची क्षेत्रीय इंजिनियरिंग कॉलेज
विज्ञान एवं तकनीकी प्रोद्योगिकी पार्क,
(टीआरईसी–एसटीईपी) एनआईटी कैम्प्स,
त्रिची–620015 (तमिलनाडू)
टेलीफोन: +91–431–2501585ध्86
फैक्स: +91–431–2501586
ई–मेल: r.pattabi@stpi.in
वेबसाईट: www.chennai.stpi.in

25. **दुर्गापुर**

प्रभारी अधिकारी

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
शहीद सुकुमार बनर्जी सरणी,
विधान नगर, जिला – वर्धमान
दुर्गापुर – 713212 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोन: + 91–343–2531294/95
ई–मेल: durgapur.oic@stpi.in
वेबसाईट: www.kol.stpi.in

26. **देहरादून**

प्रभारी अधिकारी

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट न. आई टी–01, इंटीग्रेटिड इंडस्ट्रियिल इस्टेट
(आईआईई), आई, टी. पार्क, सहस्त्रधारा रोड़
देहरादून –248013 (उत्तराखंड)
टेलीफोन: + 91–135–2608003/2608202
फैक्स: + 91–135–2608940
ई–मेल: ddn.oic@stpi.in
वेबसाईट: http://www.noida.stpi.in/p-ddn

27. **नागपुर**

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लाट नं. 3, आईटी पार्क, पारसोडी,
वीआरसीई टेलीफोन एक्सचेंज के पास,
नागपुर–440022 (महाराष्ट्र)
टेलीफोन: + 91–712–2227774,
फैक्स: + 91–712–2234960
ई–मेल: sanjay.darne@stpi.in
वेबसाईट: www.mah.stpi.in

28. **नासिक**

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लाट नं. आईटी.प्, आईटी पार्क, ई–2 ब्लॉक,
एम आई डी सी, अम्बड.,
नासिक – 422010 (महाराष्ट्र)
टेलीफोन: + 91–253–2382835
फैक्स : + 91–253–2382835
ई–मेल: sachin.purnale@stpi.in
वेबसाईट: www.mah.stpi.in

29. **नोएडा**

निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
गंगा सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी कॉम्पलेक्स,
ब्लॉक– IV, सैक्टर–29, नोएडा –201 303 (उत्तर प्रदेश)
टेलीफोन: + 91–120–2470400
फैक्स: + 91–120–2470403
ई–मेल: rajneesh@stpi.in
वेबसाईट: www.noida.stpi.in

30. **पटना**

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
13वीं मंजिल, बिस्कोमान टावर,
माड्यूल ए5, गांधी मैदान के पश्चिम
पटना – 800001 (बिहार)
टेलीफोन: +91–612–2205627
फैक्स: +91–612–2205627
ई–मेल: patna@stpi.in
वेबसाईट: www.patna.stpi.in

31. **पुदुच्वेरी**

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
पुदुच्चेरी इंजीनियरिंग कॉलेज कैम्पस,
टेकनोल्पोलिस बिल्डिग–II, पिल्लचावड़ी,
पुदुच्चेरी – 605014
टेलीफोन: + 91–413–2656317/18
फैक्स : + 91–413–2656318
ई मेल: senthilv@stpi.in
वेबसाईट: www.chennai.stpi.in

32. **पुणे**

निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सं. पी–1, फेज –1,
राजीव गांधी इन्फोटेक पार्क,
एमआईडीसी, हिंजावडी,
पुणे – 411057 (महाराष्ट्र)
टेलीफोन : + 91–20–22981000/22934475
फैक्स : + 91–20–22981010, 22932639
ई–मेल: sanjay.gupta@stpi.in
वेबसाईट: www.mah.stpi.in

33. **प्रयागराज**

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एमएनएनआईटी कैम्पस, लखनऊ रोड,
प्रयागराज–211 004 (उत्तर प्रदेश)
टेलीफोन: + 91–532–6500130
फैक्स : + + 91–532–2545628
ई–मेल: albd.info@stpi.in
वेबसाईट: http://www.noida.stpi.in/p-ald

34. **ब्रह्मपुर**

प्रभारी अधिकारी,
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट नं0. 860/4562,
आयकर कार्यालय के नजदीक, अम्बापुआ,
ब्रह्मपुर–760002 (ओडिशा)
टेलीफोन : 91–680–2404300
फैक्स : 91–680–2404232
ई मेल : berhampur@stpi.in
वेबसाईट: www.bam.stpi.in

35. **बेंगलूरू**
निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
साईबर पार्क, 6वीं मंजिल, सं0 76 और 77,
इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी, होसुर रोड,
बेंगलूरू–560100 (कर्नाटक)
टेलीफोनः + 91–080–66186000–07
फैक्सः + 91–080– 28521161
ई–मेलः shailendra.tyagi@stpi.in
वेबसाईटः www.blr.stpi.in

36. **भुवनेश्वर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सी ग्राउंड–जीरो, फार्चून टावर,
चंद्रशेखरपुर, मैत्री विहार,
भुवनेश्वर–751023 (ओडिशा)
टेलीफोनः + 91–674–2300412/413/787/358
फैक्सः + 91–674–2302307
ई–मेलः bbs.director@stpi.in
वेबसाईटः www.bbs.stpi.in

37. **भिलाई**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
मंगल भवन, नेहरू नगर (पूर्व),
भिलाई, दुर्ग–490020 (छत्तीसगढ़)
टेलीफोन : +91–788–4040330
फैक्सः +91–788–4040326
ई–मेलः dhiren.behera@stpi.in
वेबसाईटः www.noida.stpi.in/p-bli

38. **मदुरै**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
थ्यागराज कालेज इंजीनियरिंग परिसर,
मदुरै – 625015 (तामिलनाडु)
टेलीफोन : + 91–452–2482025, 2482294
फैक्स : + 91–452–2482294
ई–मेल : vganapathi@stpi.in
वेबसाईटः www.chennai.stpi.in

39. **मणिपाल**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
दूसरी मंजिल, कार्मिक भवन,
राजीव नगर, न. 80, बडागुबेट्टु, अलेवूर रोड,
मणिपाल पारकला पोस्ट,
उडुपी जिला–567107 (कर्नाटक)
टेलीफोनः + 91–820–2575752
फैक्सः +
ई–मेल : ravindra.aroor@stpi.in
वेबसाईटः www.blr.stpi.in

40. **मुम्बई**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
चौथी मंजिल, समृद्धि वेन्चर पार्क,
गाला, नं. 4, एमआईडीसी, सेन्ट्रल रोड,
अंधेरी (पूर्व), मुम्बई–400 093 (महाराष्ट्र)
टेलीफोनः + 91–22–28384907/28343742
फैक्सः + 91–22–28395384
ई–मेलः mansa.ray@stpi.in
वेबसाईटः www.mah.stpi.in

41. **मैसूर**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एसजेसीई – एसटीईपी कैम्पस, मानस गंगोत्री
मैसूर – 570006 (कर्नाटक)
टेलीफोनः +91–821–2412090, 2517780/90
फैक्सः + 91–821–2412080
ई–मेलः jaiprakash@stpi.in
वेबसाईटः www.blr.stpi.in

42. **मोहाली**
प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लाट सी–184, औद्योगिक क्षेत्र, फेज–8 ए,
सेक्टर – 75, मोहाली–160071 (पंजाब)
टेलीफोनः + 91–172–2237067/1
फैक्सः +91–172–2237066
ई–मेलः ajay.shrivastava@stpi.in
वेबसाईटः www.noida.stpi.in/p-mhl

43. मैंगलूरू

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सर्वे नं0 129/1 ए,
ब्लूबेरी हिल, डेरेबल, मैंगलूरू – 575008 (कर्नाटक)
टेलीफोन: + 91–824–2212189/139
फैक्स: + 91–824–2216555
ई–मेल: ravindra.aroor@stpi.in
वेबसाईट: www.blr.stpi.in

44. राउरकेला

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
सेक्टर–5, औद्योगिक म्युजियम,
नजदीक पंथ निवास,
राउरकेला–769002 (ओडिशा)
टेलीफोन: + 91–661–2643745
फैक्स: + 91–661–2643295
ई–मेल: rourkela@stpi.in
वेबसाईट: www.rkl.stpi.in

45. रांची

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सं. 8 पार्ट, नामकुम औद्योगिक क्षेत्र,
नामकुम, रांची – 834001 (झारखण्ड),
टेलीफोन: + 91–651–2462270
फैक्स: + 91–651–2462280
ई–मेल: ranchi@stpi.in
वेबसाईट: www.ran.stpi.in

46. लखनऊ

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एसटीपी कॉम्पलेक्स, गोमती बैराज के पास,
गोमती नगर, लखनऊ –226010 (उत्तर प्रदेश)
टेलीफोन: + 91–522–2307913
फैक्स: + 91–522–2307930
ई–मेल: lko.info@stpi.in
वेबसाईट: www.noida.stpi.in/p-lko

47. वारंगल

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
काकतिया आईटी पार्क,
एच नं. 2–5–906/1, 2 सर्किट हाऊस रोड,
हनमकोंडा, वारंगल–506001 (तेलगांना)
टेलीफोन : + 91–870–2446944
फैक्स : + 91–870–2446944
ई–मेल: ramkishore.babu@stpi.in
वेबसाईट: www.hyd.stpi.in

48. विजयवाडा

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
राजकीय पोलिटेकनिक कॉलेज कैम्पस,
स्टेला कॉलेज के सामने, बेंज सर्कल के नजदीक,
विजयवाडा – 520008 (आंध्र प्रदेश)
टेलीफोन : + 91–866–2494243
फैक्स: + 91–866–2494243
ई–मेल: sanjeev.v@stpi.in
वेबसाईट: www.hyd.stpi.in

49. विशाखापत्तनम

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
यूनिट नं0 9,एसडीएफ–1, बिल्डिंग,
विशाखापत्तनम स्पेशल इकनॉमी ज़ोन,
नजदीक दुवादा रेलवे स्टेशन
विशाखापत्तनम–530049 (आंध्र प्रदेश)
टेलीफोन : +91–891–6452474
फैक्स: +91–891–2587226
ई–मेल: dubey@stpi.in
वेबसाईट: www.hyd.stpi.in

50. शिलांग

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
लमजिंगशाई, छोटा गोलचक्कर मार्ग,
शिलांग – 793001 (मेघालय)
टेलीफोन: +91–364–2591022
फैक्स: +91–364–2591022
ई–मेल: slg.info@stpi.in
वेबसाईट: www.guwahati.stpi.in

51. **शिमला**

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
(कामना देवी मंदिर के पास),बालुगंज,
शिमला – 171005 (हिमाचल प्रदेश)
टेलीफोन: +91–177–2627858
फैक्स: +91–177–2627858
ई–मेल: shimla.admin@stpi.in
वेबसाईट: www.noida.stpi.in/p-shm

52. **श्रीनगर**

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
6–सिडको, इलेक्ट्रानिक्स कॉम्पलेक्स,
पुराना एयर पोर्ट रोड, रंगरेठ,
श्रीनगर – 191132 (जम्मू व कश्मीर)
टेलीफोन: + 91–194–2300520/381
फैक्स: + 91–194–2300500
ई–मेल : asim.khan@stpi.in
वेबसाईट: www.noida.stpi.in/p-sgr

53. **सिलीगुड़ी**

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट सं. जेआई 86, मतीगरा,
उत्तरायन के सामने, जिला – दार्जिलिंग
सिलीगुडी – 734010 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोन: + 91– 353–2571986/87
फैक्स :
ई–मेल: siliguri.oic@stpi.in
वेबसाईट: www.kol.stpi.in

54. **सूरत**

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
एफ पी 27, टीपी 22, जियाव बुदिया रोड़
सेमेश्वर सोसॉयटी के नजदीक, बिष्ठान,
सूरत– 395023 (गुजरात)
टेलीफोन: + 91–740–5003029
फैक्स: +
ई–मेल : surat.info@stpi.in
वेबसाईट: www.gnr.stpi.in

55. **हल्दिया**

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
प्लॉट न0 149, देभोग, भवानीपुर,
जिला पूर्व मेदिनीपुर,
हल्दिया – 721657 (पश्चिम बंगाल)
टेलीफोन: + 91–3224–255062/92
फैक्स:
ई–मेल: haldia.oic@stpi.in
वेबसाईट: www.kol.stpi.in

56. **हुबली**

प्रभारी अधिकारी
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया,
चौथी मंजिल, ब्लॉक ए, आईटी पार्क,
इंदिरा ग्लास हाऊस के सामने,
हुबली – 580029 (कर्नाटक)
टेलीफोन: + 91–836–2251090/2/3
फैक्स: + 91–836–2257091
ई–मेल: v.sasikumar@stpi.in
वेबसाईट: www.blr.stpi.in

57. **हैदराबाद**

निदेशक
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
6 क्यू 3, 6ठी मंजिल, साइबर टावर,
हाइटेक सिटी, माधापुर, हैदराबाद – 500081
टेलीफोन: +91–40–66415600/11
फैक्स: +91–40–23100501
ई–मेल: ram@stpi.in
वेबसाईट: www.hyd.stpi.in

एसटीपीआई STPI

9वीं तल, एनडीसीसी–II, जय सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110 001
फोन: +91-11-23438188, 23476600 | वेबसाइट: www.stpi.in